page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/9/2025 1:40 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 मण्डलायुक्त कश्मीर ने होटल सेंटॉर को सौंपने पर एटीआर का रिव्यू किया

5 निविनियुक्त केएससीए अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने चित्रास्वामी में आईपीएल व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी का किया वादा

8 उपराज्यपाल से मिला शहीद किसान बाबा जित्तो संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9, अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-301 | जम्मू तवी, मंगलवार 09 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

उपराज्यपाल ने प्राकृतिक आपदाओं और पाक गोलाबारी से प्रभावित परिवारों के लिए 350 नए घरों के निर्माण का किया शिलान्यास

जम्मू, 08 दिसंबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को जम्मू जिले में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदाओं और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बिना उकसावे के पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों के लिए नए घरों के निर्माण का शिलान्यास किया। जम्मू जिले में 350 घर 35 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जाएंगे। इन नए तीन-बेडरूम वाले प्री-फैब्रिकेटेड स्मार्ट घरों के निर्माण का खर्च एक एनजीओ, हाई-रेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (एचआरडीएस इंडिया) उठाएगी।

अपने भाषण में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू कश्मीर में प्रभावित परिवारों की मदद करने की अच्छी पहल के लिए एचआरडीएस-इंडिया का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रभावित परिवारों के लिए घर सरकारी खजाने से एक पैसा खर्च किए बिना बनाए जा रहे हैं। इन तीन बेडरूम वाले प्री-फैब्रिकेटेड स्मार्ट हाउस का कंस्ट्रक्शन फाउंडेशन का काम शुरू होने के छह महीने के अंदर पूरा होने वाला है।

ये घर कुशल, मॉडर्न, मज़बूत और टेक्नोलॉजी के हिसाब से एडवांस्ड होंगे और इनमें गायों के बाड़े जैसी खास सुविधाएं शामिल होंगी। घर बनाने के अलावा एचआरडीएस इंडिया बेनिफिशियरी परिवारों को एक बड़ा वेलफेयर पैकेज दे रहा है। एचआरडीएस इंडिया अगले 15 सालों के लिए परिवार के सभी सदस्यों को फ्री लाइफ इंश्योरेंस कवरेज, परिवार के सभी सदस्यों के लिए फ्री सालाना हेल्थ चेकअप और अगले 5 सालों के लिए घरों के मेंटेनेंस का कवरेज देगा। उन्होंने गरीबों की ज़िंदगी में बड़ा बदलाव लाने का अपना वादा दोहराया। उपराज्यपाल ने कहा कि पिछले 5 सालों में लाखों गरीबों को फायदा हुआ है और पिछड़े और गरीब इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया गया है। जम्मू का तेजी से विकास पहले कभी नहीं हुआ है और हमने कई चुनौतियों के बावजूद एक मजबूत ग्रोथ ट्रैजेक्टरी हासिल की है। उपराज्यपाल ने कहा कि मंदिरों के पवित्र शहर जम्मू को एक इनक्लूसिव अर्बन सेंटर के तौर पर डेवलप करने की हमारी लगातार कोशिश है। हर तरफ के विकास के लिए उठाए गए ठोस कदमों से गरीबी हटाने, सोशल जस्टिस और सभी के लिए समान मौके का सपना पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस इलाके में तेजी से इकोनॉमिक डेवलपमेंट और सोशल ट्रांसफॉर्मेशन का एक नया दौर शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने कम समय में बड़े पैमाने पर प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। इन प्रोजेक्ट्स ने जम्मू के अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर और नागरिक-केंद्रित सेवाओं को काफी मजबूत किया है, मॉडर्न सुविधाओं और सुव्यवस्थित नागरिक सुविधाओं के जरिए मोबिलिटी को बढ़ाया है और शहरी सुंदरता में सुधार किया है। उपराज्यपाल ने प्राकृतिक आपदा के बाद प्रभावित आबादी को तुरंत सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने और उनकी लगातार देखभाल सुनिश्चित करने में जिला प्रशासन और विभिन्न एजेंसियों द्वारा दिखाए गए शानदार तालमेल और समर्पण की तारीफ की।

आजादी का प्रेरणास्रोत रहा वंदे मातरम् आजाद भारत का भी है विजन : मोदी

नयी दिल्ली, 08 दिसम्बर ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी के दीवानों का मंत्र बने वंदे मातरम् गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी और पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया।

श्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् गीत के 150वें वर्ष पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि यह गीत आजादी का उद्घार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरु कर दिए थे।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का एक ऐसा कालखंड रहा है जिसमें

इतिहास के कई प्रेरक उदाहरण देश के सामने मौजूद है। वंदे मातरम् के जब सौ साल पूरे हो गये थे तो उस समय इसकी शताब्दी का उत्तम पर्व मनाया जाना था लेकिन तब देश को आपातकाल में धकेल दिया गया था और देश के नागरिकों का गला घोंटा जा रहा था। देश की आजादी के आंदोलन को ऊजा देने वाले वंदे मातरम् के सौ साल पूरे होने के समय देश को आपाताकाल के काले कालखंड में धकेल दिया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा वंदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है। वंदे मातरम् की भावना के साथ देश की आजादी की लड़ाई लड़ी गयी और इस गीत के भाव में आजादी के दीवाने देश के लिए प्राण न्यौछावर कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् गीत ऐसे समय लिखा गया था जब अंग्रेज सल्तनत 1857 की क्रांति से बौखलाई थी और देश की महान विभूतियों को मजबूर किया जा रहा था। जब चारों तरफ वंदे मातरम् की आवाज गूंज रही थी, देश को गुलाम बनाए रखने के लिए बड़ा षडयंत्र चल रहा था तो उस स्थिति को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय चुनौती दे रहे थे। उन्होंने 1882 में आनंदमठ उपन्यास की रचना की तो देश में आजादी की अलख जगा रहा वंदे मातरम् गीत इसमें रखा गया। देश के लोगों में जो भाव था, जो संस्कृति थी उसे वंदे मातरम् गीत के जरिए देश को बहुत बड़ी सौगात दी गई। वंदे मातरम् केवल आजादी की लड़ाई का मंत्र नहीं था, मात्र अंग्रेजों को भगाने का मंत्र नहीं था बल्कि यह इस भूमि को बेड़ियों से मुक्ति दिलाने की एक पवित्र जंग भी थी। प्रधानमंत्री ने कहा वंदे मातरम् देश की प्राचीन पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक परंपरा का आधुनिक अवतार है। बंकिमदा ने जब वंदे मातरम् की रचना की थी तो यह गीत स्वाभाविक रूप से आजादी की लड़ाई का स्वर बना और पूरे देश के आजादी के योद्धाओं को मुग्ध करने का मंत्र बन गया। वंदे मातरम् हजारों वर्ष की सांस्कृतिक ऊर्जा थी, इसमें आजादी का जबा भी था और आजाद भारत की दृष्टि भी थी। इस गीत के हर शब्द देशवासियों को हौसला देने वाले थे। उसमें संदेश दिया गया था कि लड़ाई जमीन हथियाने की नहीं और सिर्फ आजादी पाने की नहीं है बल्कि यह देश की समृद्धि का भी संकल्प है। इस गीत का सिर्फ जन जन से जुड़ाव नहीं रहा है बल्कि यह गीत हमारी आजादी की लंबी गाथा की अभिव्यक्ति भी है।

खबर संक्षेप

श्रीनगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक ड्रग पेडलर की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर, 08 दिसंबर । ड्रग तस्करी और उसे सपोर्ट करने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में श्रीनगर पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत एक बदनाम ड्रग पेडलर की लगभग 75 लाख रुपये की अचल संपत्ति अटैच की है।

पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार अटैच की गई संपत्ति में पंपोश कॉलोनी, नूरबाग में एक रिहायशी घर के साथ 6 मरला ज़मीन शामिल है। यह संपत्ति मोहम्मद इरफान शेख बेटे मोहम्मद अशरफ शेख के नाम पर रजिस्टर्ड है जो पुलिस स्टेशन संगम में एफआईआर नंबर 48/2025 यू/एस 8/22 एनडीपीएस एक्ट में शामिल है। जांच के दौरान यह पक्के तौर पर पता चला कि यह संपत्ति नारकोटिक्स के धंधे से हुई गैर-कानूनी कमाई से बनाई गई थी। इन नतीजों के बाद संबंधित अथॉरिटी ने एनडीपीएस एक्ट के सेक्शन 68-एफ के तहत अटैचमेंट ऑर्डर जारी किया।यह अटैचमेंट एक एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में किया गया जिसमें सभी कानूनी फॉर्मैलिटी का सख्ती से पालन किया गया। ऑर्डर के मुताबिक मालिक को इस संपत्ति को बेचने, ट्रांसफर करने, बदलने या इसमें कोई थर्ड-पार्टी इंटरेस्ट बनाने से रोका गया है। बयान में कहा गया है कि श्रीनगर पुलिस नारकोटिक्स के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस के लिए पूरी तरह से तैयार है और ड्रग के धंधे से जुड़े नेटवर्क और संपत्ति की पहचान करना, उन पर कार्रवाई करना और उन्हें कानूनी तौर पर खत्म करना जारी रखेगी।

भालू के अलग-अलग हमलों में दो घायल

जम्मू, 8 दिसंबर । जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के कश्तीगढ़ इलाके में सोमवार को अलग-अलग घटनाओं में एक जंगली भालू के हमले में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, घायलों की पहचान रूबीना और मुनीर के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और भालू को वापस जंगल में भगाने में कामयाब रहे। दोनों को अस्पताल ले जाया गया घटनाओं के बाद चिंतित ग्रामीणों ने वन्यजीव विभाग से आगे के हमलों को रोकने के लिए उपाय करने को कहा है।

इंडिगो की कई फ्लाइट्स कैंसिल होने के बाद श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक में आई दिक्कतें

श्रीनगर, 8 दिसंबर । सोमवार सुबह इंडिगो की कई फ्लाइट्स कैंसिल होने के बाद श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक में लगातार दिक्कतें आईं। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि कुल 64 शेड्यूल्ड फ्लाइट मूवमेंट (32 अराइवल और 32 डिपार्चर) में से इंडिगो ने दिन के लिए 36 मूवमेंट प्लान किए थे।हालांकि अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह 8 बजे तक ऑपरेशनल कारणों से इंडिगो की 16 फ्लाइट्स (8 अराइवल और 8 डिपार्चर) रद्द कर दी गईं।खबर लिखे जाने तक किसी दूसरी एयरलाइन से कोई भी उड़ान रद्द करने की

खबर नहीं आई और इंडिगो की किसी भी फ्लाइट में देरी नहीं हुई। अधिकारी ने आगे बताया कि बाकी शेड्यूल्ड सर्विसेज़ के लिए फ्लाइट ऑपरेशन नॉर्मल तरीके से जारी हैं।

वंदे मातरम् गीत को उसका 'समुचित सम्मान' लौटाना समय की मांग : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 08 दिसंबर । लोकसभा में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर आयोजित विशेष चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की राष्ट्रीय चेतना में इस गीत को उसका फ्युक्त स्थानफ्र दिलाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् को आज़ादी की लड़ाई में असाधारण प्रेरणा का स्रोत बताने के बावजूद, स्वतंत्र भारत में इसे वह सम्मान नहीं मिला, जिसके यह योग्य था।

राजनाथ सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् ने सदियों से सोए हुए देश को जगा दिया और आधी सदी तक स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरक रहा। उन्होंने कहा कि इस गीत की गूंज का प्रभाव इतना गहरा था कि ब्रिटिश सरकार ने कई जगह इसके नारे पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन जनता ने इसे नहीं माना। उन्होंने बताया कि 1905 के बंगाल विभाजन

आंदोलन में यह गीत जनमानस का स्वर बन चुका था और तब से यह पूरे देश और विदेशों में भारतीयों की पहचान बन गया।

रक्षा मंत्री ने ब्रिटिश शासन के दौरान हुए दमन का उल्लेख करते हुए कहा कि वंदे मातरम् का नारा लगाने पर कई जगह छात्रों और युवाओं को सजा दी गई, जिनमें 'वंदे मातरम् रामचंद्र' जैसे क्रांतिकारी भी शामिल थे।

काउंटर-टेररिस्ट ऑपरेशन में सतर्क रहें और एक मज़बूत नज़रिया बनाए रखें: जनरल मिश्रा

जम्मू, 8 दिसंबर । सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पी के मिश्रा ने सोमवार को सैनिकों से कहा कि वे जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद से प्रभावित डोडा जिले में काउंटर-टेररिस्ट ऑपरेशन में सतर्क रहें और एक मज़बूत नज़रिया बनाए रखें।

लेफ्टिनेंट जनरल पी के मिश्रा ने पहाड़ी जिले के गंदोह में ज़मीनी हालात का जायज़ा लेने और परिचालन तत्परता और सुरक्षा गतिशीलता की समीक्षा करने के लिए अपने दौरे के दौरान ये निर्देश दिए।

कोर कमांडर के साथ काउंटर-इंसर्जेंसी फोर्स (डेल्टा) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल ए पी एस बल भी थे।जम्मू में मौजूद व्हाइट नाइट कॉर्प्स जिसे 16 कॉर्प्स के नाम से भी जाना जाता है ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल मिश्रा ने सैनिकों को सतर्क रहने, आगे की सोच वाले कदम उठाने और काउंटर-टेररिस्ट ऑपरेशन में एक मज़बूत और लगातार नज़रिया बनाए रखने के लिए हिम्मत दी।

उन्होंने हर मिशन में प्रोफेशनलिज़्म के उच्च मानक बनाए रखने की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया और बल से किसी भी नई चुनौती से साफ़ और पक्के इरादे के साथ निपटने के लिए सतर्क, आत्मविश्वासी और पूरी तरह तैयार रहने की अपील की।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने कौशल विकास और वर्कफोर्स मोबिलिटी पर साझेदारी मजबूत करने पर सहमति जताई

नई दिल्ली, 8 दिसंबर ।भारत और ऑस्ट्रेलिया ने कौशल विकास, कार्यबल गतिशीलता और खेल अर्थव्यवस्था में सहयोग को नई दिशा देने पर जोर देते हुए जताते हुए कौशल मानकों के सामंजस्य और पेशेवरों की आवाजाही को आसान बनाने पर सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों ने योग्यताओं की मान्यता, उन्नत निर्माण क्षेत्र में ग्लोबल स्टैंडर्ड तैयार करने और खेल आधारित उद्योग में उभरते अवसरों को साझा रूप से विकसित करने पर बुई चर्चा की। राजधानी दिल्ली में आयोजित तीसरी ऑस्ट्रेलिया-इंडिया एजुकेशन एंड स्किल्स काउंसिल की बैठक में कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी और ऑस्ट्रेलिया के कौशल एवं ट्रेनिंग मंत्री एंड्रयू जाइल्स की मौजूदगी में कौशल विकास, वर्कफोर्स मोबिलिटी, खेल अर्थव्यवस्था और भविष्य उन्मुख तकनीकी कौशलों पर विस्तृत बातचीत हुई।

राज्यसभा में इंडिगो संकट को लेकर जमकर हंगामा, केन्द्रीय मंत्री ने दिया सख्त कार्रवाई का भरोसा

नई दिल्ली, 08 दिसंबर । राज्य सभा में सोमवार को इंडिगो संकट को लेकर जमकर हंगामा हुआ। प्रशन काल के दौरान कई सांसदों ने इंडिगो संकट पर सवाल किए, जिसके जवाब में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने विस्तार से अपनी बात कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंडिगो संकट उसके कर्मचारियों के काम के लिए तय शिफ्ट और आंतरिक नियोजन तंत्र की खामियों के कारण हुआ। इसके चलते यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता है, इसके लिए सरकार ने तय किया है कि वह ऐसी कार्रवाई करेगा, जो नजीर बनेगी। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के प्रश्न के जवाब में विपक्ष उखड़ गया और उन्होंने कहा कि वह मंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं है। हंगामे के बाद प्रश्नकाल खत्म होने से करीब 20 मिनट पहले समूचे विपक्ष ने सदन की कार्यवाही से बहिर्गमन किया।इसके बाद सभापति ने केंद्रीय मंत्री को अपनी पूरी बात सदन के समक्ष रखने को कहा। सदस्यों द्वारा पूछे गए सवाल और पूरक प्रश्नों के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ और जवाबदेह प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिन्हें 24 घंटे के भीतर जवाब देना था। अब केंद्रीय मंत्री ने कहा की तीन दिन पहले दिए नोटिस का जवाब देने के लिए कंपनी को 15 दिन का समय दिया गया है। इंडिगो ने हालिया उड़ान संकट के दौरान अब तक 827 करोड़ रुपये के रिफंड प्रोसेस किए हैं। इसके अलावा 4500 यझात्रियों को उनका सामान मिल गया है।

इंडिगो ने 1800 से ज्यादा फ्लाइट शुरू कीं, यात्रियों को लौटाए 827 करोड़

नई दिल्ली, 08 दिसंबर । देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी इंडिगो ने पिछले एक हफ्ते से बाधित ऑपरेशनल संकट सोमवार को फिर से बहाल कर दिया। कंपनी ने आज 500 फ्लाइट्स रद्द की हैं, जबकि देश भर के पूरे नेटवर्क में 1,800 से ज्यादा उड़ानों का परिचालन शुरू हो गया है। एयरलाइन ने कुल 9000 बैग में से 4500 बैग यात्रियों को सौंप दिए। बाकी बैग अगले 36 घंटों में यात्रियों को दे दिए जाएंगे। कंपनी ने यात्रियों को 827 करोड़ रुपये लौटाए हैं। इस बीच, इंडिगो के शीर्ष अधिकारियों को डीजीसीए की बनाई हाई लेवल कमेटी ने समन भेजा है। एयरलाइन ने आज एक बयान में हाल की दिक्कतों के बाद पूरे नेटवर्क में काफी सुधार दर्ज करने का दावा किया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लद्दाख में समावेशी शिक्षा को आगे बढ़ा रही है: एलजी कविंदर

लेह, 8 दिसंबर । लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने नव उन्नत लद्दाख मॉडल स्कूल का उद्घाटन किया जो पहले एक प्राथमिक मॉडल स्कूल था और अब समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत एक मिडिल स्कूल के रूप में कार्य कर रहा है जो क्षेत्र के शिक्षा क्षेत्र में एक निर्णायक प्रगति का प्रतीक है। अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों से खचाखच भरे दर्शकों को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल ने टिप्पणी की कि स्कूल का उन्नयन लद्दाख के बच्चों के सपनों, आकांक्षाओं और विकास में एक महत्वपूर्ण, दीर्घकालिक निवेश का प्रतिनिधित्व करता है। इस बात पर जोर देते हुए कि शिक्षा एक प्रगतिशील समाज का मूलभूत स्तंभ है, उन्होंने जोर देकर कहा कि यूटी प्रशासन प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पारंपरिक पाठ्यपुस्तक शिक्षा से परे समग्र विकास को बढ़ावा देने में समग्र शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, कविंदर गुप्ता ने उल्लेख किया कि इस उन्नयन के साथ, आईबेक्स

कॉलोनी में बच्चे अब स्थानीय स्तर पर कक्षा 8 तक निर्बाध स्कूली शिक्षा में भाग ले सकते हैं, यात्रा के बोझ को कम कर सकते हैं, सुरक्षा बढ़ा सकते हैं, स्कूल छोड़ने की दर कम कर सकते हैं और विशेषकर लड़कियों के बीच जुड़ाव में सुधार कर सकते हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के शिक्षा पर जोर देने पर प्रकाश डालते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) और समग्र शिक्षा जैसे सुधार लद्दाख जैसे भौगोलिक चुनौतियों वाले क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुलभ और समावेशी बना रहे हैं,

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वे केशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं ।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखनेको मिलती हैं । यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखनेको मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्नअरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे -नीचेपहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तरन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थानी कल्चर देखनेके कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकफेस आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे ।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखे लियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूबा डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें ।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छेबीचों में से एक माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें ।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं ।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेस में से एक है। सितंबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकें गे ।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियोंकी छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा डयूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ोंवाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्षभर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षों तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय दे तेहैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीलेमैदान व नारियल के पेड़ोंकी कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षों से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दशनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशोंसे प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदरियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शों को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटेहुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिमा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं ।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखनेकी उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं । 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं । इस्लाम के पांच स्तंभोंसे प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लांग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्टभोजन का मजा लेतेहुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं । क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार ने टवर्क रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

क्लस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू की वॉलीबॉल टीम नॉर्थ ज़ोन इंटर-यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के लिए रवाना

जम्मू, 8 दिसंबर (हि.स.)। क्लस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू ने अपनी वॉलीबॉल (पुरुष) टीम को नॉर्थ ज़ोन इंटर-यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के लिए औपचारिक रूप से रवाना किया, जो 9 से 12 दिसंबर तक सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेंद्रगढ़ में आयोजित हो रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित सेंड-ऑफ समारोह खिलाड़ियों के लिए उत्साह और प्रेरणा से भरा रहा। समारोह के दौरान रजिस्ट्रार, क्लस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, मिस अंकुर महाजन ने टीम को शुभकामनाएँ देते हुए रवाना किया। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, खेल भावना और दृढ़ संकल्प के महत्व पर बल दिया और कहा कि खेल न केवल व्यक्तित्व निर्माण में मदद करते हैं बल्कि आज विश्वविद्यालय में उभरती खेल संस्कृति को भी मज़बूत बनाते हैं। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. डी.एस. मनहास और डायरेक्टर, फिजिकल एजुकेशन, डॉ. विनोद बक्शी भी मौजूद रहे। डॉ. बक्शी पूरे टूर्नामेंट के दौरान तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे, जिससे खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है।

टीम में जतिन रायान, उदय कुमार, अमित कुमार, मोहम्मद आसिफ, चैतिन सिंह, नितिन मनहास, आफ़ताब अहमद, नितिन सिंह, रजत सिंह, आयुष महाजन और नेहल कुमार जैसे प्रतिभावान खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने प्रशिक्षण सत्रों के दौरान उत्कृष्ट कौशल और समर्पण का परिचय दिया है। खिलाड़ियों का चयन विश्वविद्यालय में विकसित हो रही खेल उत्कृष्टता को दर्शाता है। कुलपति प्रो. (डॉ.) के.एस. चंद्रशेखर ने अपने संदेश में खिलाड़ियों और फिजिकल एजुकेशन विभाग के प्रयासों की सराहना की।

मण्डलायुक्त कश्मीर ने होटल सेंटॉर को सौंपने पर एटीआर का रिव्यू किया

कश्मीर,8 दिसंबर (हि.स.)। डिविजनल कमिश्नर कश्मीर अंशुल गर्ग ने सोमवार को होटल सेंटॉर से यूटिलिटी शिफ्टिंग और होटल और एसकेआईसीसी के बीच सर्विसेज़ के शेयरिंग से जुड़े पेंडिंग मामलों को सुलझाने पर एक्शन टेकन रिपोर्ट का रिव्यू किया। मीटिंग में प्रबंधनिदेशक जम्मू-कश्मीर पर्यटन विकास कार्पोरेशन, सीईओ केपीडीसीएल, जल शक्ति, और एलसीएमए डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन, श्रीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ-साथ कंसेशनेयर के रिप्रेजेंटेटिव भी शामिल हुए। मीटिंग के दौरान डिव कॉम ने मूवेबल एसेट्स के टेंडरिंग कंसेशनेयर को बिल्डिंग परमिशन जारी करने पेंडिंग बिलों के पेमेंट, सर्विसेज़ को अलग करने, डीआई आर द्वारा कब्ज़े में लिए गए कमरों को खाली कराने, और दूसरे संबंधित मामलों में प्रोग्रेस का आकलन किया। उन्होंने कंसेशनेयर को प्रपोज्ड कंस्ट्रक्शन के लिए ड्रॉइंग्स अप्रूवल के लिए एलसीएमए को जमा करने का निर्देश दिया। डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन को होटल सेंटॉर में कब्ज़े में लिए गए कमरों को खाली कराना पक्का करने का निर्देश दिया गया। अचल यूटिलिटी सर्विसेज़ को शेयर करने के बारे में, डिव कॉम ने संबंधित एजेंसियों से आपसी तालमेल से मामले को सुलझाने का आग्रह किया।

प्रबंधनिदेशक जेकेटीडीसी को सभी पेंडिंग मुद्दों को सुलझाकर होटल को कंसेशनेयर को आसानी से हैंडओवर करने में मदद करने का काम सौंपा गया। कंसेशनेयर को नए सर्विस कनेक्शन लेने के लिए बकाया बिजली और पानी के बिल चुकाने के लिए भी कहा गया।

जीजीएम साइंस कॉलेज में भारतीय ज्ञान प्रणाली और एनईपी-2020 पर सेमिनार आयोजित

जम्मू, 8 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू के जीजीएम साइंस कॉलेज में इंडियन नॉलेज सिस्टम एन्ड एनईपी-2020ः रिवाइबिंग ऐन्शन्ट विस्डम फॉर मॉडर्न चॅलेंजिजफ विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें कॉलेज के प्रिंसिपल, प्रख्यात विद्वानों, फैकल्टी सदस्यों और बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन डॉ. अजय कुमार सिंह (पूर्व निदेशक एवं संस्थापक फैकल्टी, सेंटर फॉर कम्पेरेटिव रिलिजन्स एंड सिविलाइजेशन्स, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू), डॉ. वंदना खजूरिया, डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. अशाक हुसैन, डॉ. बी.पी. सिंह, डॉ. मतीन हाफिज, प्रो. किरण बाला, डॉ.

अजय सिंह डडवाल और डॉ. बलकृष्ण उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रिंसिपल डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता ने आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेमिनार अकादमिक विमर्श को समृद्ध करते हैं और संस्थान को एनईपी-2020 के अनुरूप आगे बढ़ने में मदद करते हैं। उन्होंने छात्रों व फैकल्टी को भारतीय ज्ञान-परंपरा को आधुनिक चुनौतियों के समाधान के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में अपनाने का आह्वान किया। सेमिनार का स्वागत भाषण डॉ. वंदना खजूरिया ने प्रस्तुत किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियों को वर्तमान पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सोपोर में अवैध खनन गतिविधियों पर पुलिस की कार्रवाई

जम्मू, 8 दिसंबर (हि.स.)। प्रवर्तन अभियान के दौरान तारजू थाना पुलिस ने सीर नदी से रेत और अन्य लघु खनिजों के अवैध खनन में शामिल चार ट्रैक्टर और दो टिपर जब्त किए। अवैध खनन से नदी के तटबंध को नुकसान पहुँचा था और आस-पास के सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे को संभावित खतरा पैदा हो गया था। इस कार्रवाई का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों के अनधिकृत दोहन पर अंकुश लगाना, पर्यावरण की रक्षा करना और सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना है। पुलिस टीमों ने नदी के किनारे संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी है और राजस्व, खनन एवं सिंचाई अधिकारियों के साथ समन्वय में कड़ी निगरानी रख रही हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस अवैध खनन और पर्यावरण अखंडता या सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा पहुँचाने वाली अन्य गतिविधियों में शामिल सभी व्यक्तियों या समूहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है।

पुलिस ने पुलवामा में सुरक्षित पेयजल सहायता प्रदान की

पुलवामा, 8 दिसंबर (हि.स.)। अपने सिविक एक्शन प्रोग्राम (सीएपी) 2025-26 के हिस्से के रूप में, पुलवामा में पुलिस ने समुदाय के वंचित वर्गों के लिए सुरक्षित पेयजल तक पहुंच में सुधार के लिए पुलिस स्टेशन राजपोरा में एक कल्याण-सह-वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल के तहत, योग्य परिवारों, संकटग्रस्त परिवारों, एक अनाथालय और दो शैक्षणिक संस्थानों अबू बेकर हाई स्कूल जागीर परिगाम और सरकारी प्राथमिक विद्यालय खलीसा परिगाम के बीच जल शोधक वितरित किए गए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएसपी पुलवामा, तनुश्री-आईपीएस ने की और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों के साथ पुलवामा पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। एसएसपी पुलवामा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कमजोर परिवारों और स्कूली बच्चों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामुदायिक भलाई के लिए महत्वपूर्ण है। बढ़ती नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर कड़ी चिंता व्यक्त की गई, साथ ही तस्करी या सेवन में शामिल व्यक्तियों को ऐसी गतिविधियों को तुरंत छोड़ने की चेतावनी दी गई।

पुलिस ने अवैध गोजातीय परिवहन को किया विफल, 31 गोजातीय पशु बरामद

जम्मू, 8 दिसंबर (हि.स.)। पुलिस चौकी बठिंडी ने 24 घंटे के भीतर चोरी हुए 31 गोजातीय पशु बरामद किए पुलिस पोस्ट बठिंडी ने चोरी की शिकायत दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर चोरी हुए गोवंश सहित 31 गोवंशीय पशुओं को बरामद करके एक बड़ी सफलता हासिल की। 04.12.2025 को बठिंडी निवासी तालिब हुसैन की पत्नी शाहीन कौसर ने एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता में वताया कि वह घर पर किसी को नहीं छोड़कर अपने रिश्तेदारों से मिलने गई थी। लगभग 1730 बजे लौटने पर उसने पाया कि बछड़ों सहित 08 गायें उसकी डेयरी से गायब थीं। इस पर थाना बाहु फोर्ट पर एफआईआर संख्या 337/2025 धारा 331(3)/305 बीएनएस के तहत दर्ज कर जांच की गई।

जेयू ने बीएड छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया

जम्मू, 8 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) ने सीडीओई के चल रहे स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में 8 दिसंबर, 2025 को बीएड छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत पंजीकरण के साथ हुई, उसके बाद दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना का पाठ हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत पंजीकरण के साथ हुई उसके बाद दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना का पाठ हुआ। जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के डीन प्रोफेसर मोहम्मद जुबैर कालेस मुख्य अतिथि थे। दर्शकों को संबोधित करते हुए उन्होंने शिक्षा और प्रौद्योगिकी के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे ये परिवर्तन भविष्य के शिक्षकों के लिए नवीन शिक्षण अनुभवों को आकार दे रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने छात्रों से सत्यनिष्ठा, जिम्मेदारी और सहानुभूति बनाए रखने का आग्रह करते हुए बहुमूल्य नैतिक मार्गदर्शन दिया प्रोफेसर केल्स ने सीडीओई को डीईबी और एनसीईटी के साथ संबद्धता के लिए बधाई दी, इसे एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जो क्षेत्र में शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता और प्रभाव को और बढ़ाएगा।

स्मार्ट इंडिया है हैकाथॉन 2025 के ग्रैंड फिनाले के लिए निर्णायक मंडल नियुक्त किया गया

कठुआ, 08 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 के ग्रैंड फिनाले के लिए निर्णायक मंडल/मूल्यांकनकर्ता के रूप में जीडीसी हीरानगर के प्राचार्य और जीडीसी हीरानगर, जीडीसी उधमपुर और जीसीओई जम्मू के संकाय सदस्यों की एक टीम को नामित किया है। यह ग्रैंड फिनाले 8-9 दिसंबर 2025 को वर्धमान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन का आयोजन भारत के शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सहयोग से भारत के माननीय प्रधानमंत्री के संरक्षण में किया जा रहा है। कॉलेज निदेशक डॉ. शेख एजाज बशीर इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उनके दूरदर्शी नेतृत्व, प्रोत्साहन और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने संकाय और छात्रों दोनों के लिए अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके अटूट समर्थन ने एसआईएच जैसे राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक और नवाचार प्लेटफार्मों में जम्मू-कश्मीर की उपस्थिति को काफी मजबूत किया है। नामित मूल्यांकनकर्ताओं में डॉ. प्रज्ञा खन्ना प्रिंसिपल जीडीसी हीरानगर (टीम समन्वयक), डॉ. हरविंदर कौर एसोसिएट प्रोफेसर जीडीसी हीरानगर, रूपाली जामवाल असिस्टेंट प्रोफेसर जीडीसी हीरानगर, डॉ. राकेश शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर जीडीसी हीरानगर, डॉ. परवीन सिंह एसोसिएट प्रोफेसर जीडीसी हीरानगर, डॉ. पियाली अरोड़ा एसोसिएट प्रोफेसर जीडीसी उधमपुर और डॉ. सोनम गंडोत्रा असिस्टेंट प्रोफेसर जीसीओई जम्मू शामिल हैं। यह समूह स्मार्ट शिक्षा, एनईपी-संरेखित स्वचालन प्रणाली, डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म और अकादमिक-उद्योग इंटरफेस प्रौद्योगिकियों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश भर की छात्र टीमों द्वारा प्रस्तावित अभिनव समाधानों का मूल्यांकन करेगा।

स्कूलों की मरम्मत के लिए 376.98 लाख रुपये मंजूर

कठुआ, 08 दिसंबर (हि.स.)। शिक्षा भविष्य का पासपोर्ट है, शिक्षा में निवेश करके, हम राष्ट्र के भविष्य में निवेश कर रहे हैं। यह बात जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने जसरोटा निर्वाचन क्षेत्र के सरकारी स्कूलों के विकास को महत्वपूर्ण बढ़ावा देने की घोषणा की।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए जसरोटिया ने कहा कि जसरोटा निर्वाचन क्षेत्र में नए बुनियादी ढाँचे के विकास और स्कूलों की बड़ी मरम्मत के लिए कुल 376.98 लाख की मंजूरी दी गई है। उन्होंने स्कूल के बुनियादी ढाँचे और संसाधनों को बेहतर बनाने की पहल को इस विजन का प्रमाण बताया, जो जसरोटा के युवाओं को एक उज्जवल भविष्य के लिए सशक्त बनाता है। धनराशि प्राप्त करने वाले स्कूलों में हायर सेकेंडरी स्कूल छन्न अरोड़ियां को 54 लाख, हायर सेकेंडरी स्कूल चंदवां को 36 लाख, हाई स्कूल भल्लर को 36.0 लाख, हाई स्कूल जुथाना को 29.14 लाख, प्राइमरी स्कूल मंजली को 28.43 लाख, हाई स्कूल लच्छीपुर को 22.30 लाख, प्राइमरी स्कूल गली को 18.02 लाख, मिडिल स्कूल सांगन को 18.02 लाख, गर्ल्स मिडिल स्कूल बरनोटी को 13.89 लाख, मिडिल स्कूल डबवाल को 13.89 लाख, मिडिल स्कूल सांवला को 13.89 लाख, मिडिल स्कूल मार्थ को 11.07 लाख, गर्ल्स मिडिल स्कूल राजबाग को 10.42 लाख, मिडिल स्कूल नानन को 10.42 लाख, प्राइमरी स्कूल भगवाल को 10.42 लाख, प्राइमरी स्कूल गुज्जर बस्ती राजबाग को 10.42 लाख, हाई स्कूल भेड़ ब्लोर को 9.50 लाख, हायर सेकेंडरी स्कूल कठेरा को 9.50 लाख, गर्ल्स मिडिल स्कूल हटली को 6.94 लाख, हाई स्कूल थीन को 4.30 लाख, मिडिल स्कूल फफल, पंद्रार और राजबाग को 10.41 लाख की मंजूदी दी गई है।

भाजपा मुख्यालय, जम्मू में नव शामिल कार्यकारी सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक

जम्मू, 8 दिसंबर (हि.स.)। भाजपा मुख्यालय जम्मू में नव शामिल कार्यकारी सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई।

सत्र की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा जम्मू-कश्मीर की अध्यक्ष एडवोकेट नेहा महाजन ने की जिन्होंने सभी सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया और आगामी महीनों के लिए संगठनात्मक रोडमैप की रूपरेखा तैयार की।

अधिवक्ता नेहा महाजन ने चल रहे आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की जिसमें सामूहिक भागीदारी, रणनीतिक योजना और जमीनी स्तर पर पहुंच बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया गया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि महिला सशक्तिकरण

संगठन के मिशन की आधारशिला बनी हुई है और यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया कि केंद्र शासित प्रदेश की महिलाओं को आत्मनिर्भरता पहल से पूरी तरह से लाभ मिले। बैठक में पूनम गुप्ता, प्रेरणा नंदा, संतोष शर्मा, सुनीता रैना, गीतांजलि महाजन, सुमन रैना, अनुराधा शर्मा, रिम्मी चरक और शाहिना अख्तर सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति देखी गई जिन्होंने बहुमूल्य सुझाव साझा किए और संगठनात्मक आउटरीच और समन्वय को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। नए शामिल किए गए कार्यकारी सदस्य - प्रवीण अरोड़ा, संगीता आनंद, वीना गुप्ता, कुसुम गुप्ता, सुनीता गुप्ता और पायल खोसला भी उपस्थित थे और उन्होंने भविष्य की पहल, जिला-स्तरीय समन्वय और महिला-केंद्रित कार्यक्रमों की पहुंच का विस्तार करने से संबंधित चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को दोहराते हुए अधिवक्ता नेहा महाजन ने रेखांकित किया कि महिलाओं को सशक्त बनाना और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना राष्ट्रीय विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि महिला मोर्चा पूरे जम्मू-कश्मीर में इन पहलों को आगे बढ़ाने के लिए अथक प्रयास करना जारी रखेगा। जिला-स्तरीय समन्वय, और महिला-केंद्रित कार्यक्रमों की पहुंच का विस्तार करना। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को दोहराते हुए अधिवक्ता नेहा महाजन ने रेखांकित किया कि महिलाओं को सशक्त बनाना और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना राष्ट्रीय विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

बाईचुंग भूटिया आवासीय फुटबॉल अकादमी ने जम्मू में ट्रायल की घोषणा की

जम्मू, 8 दिसंबर (हि.स.)। भारत के सबसे बड़े और सर्वाधिक रेटिंग प्राप्त फुटबॉल विकास कार्यक्रमों में से एक बाईचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल (बीबीएफएस), बीबीएफएस आवासीय अकादमी के लिए प्रतिभाशाली युवा छात्र-एथलीटों की पहचान के लिए जम्मू में स्काउटिंग ट्रायल आयोजित करेगा।

बीबीएफएस आवासीय अकादमी भारत भर के प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूलों के सहयोग से संगठन का प्रमुख उच्च-प्रदर्शन फुटबॉल प्रशिक्षण और शैक्षणिक पाठ्यक्रम है। ये ट्रायल शनिवार 13 दिसंबर 2025 को जम्मू के परेड ग्राउंड में होंगे और प्रतिभागियों को दोपहर 1:00 बजे रिपोर्ट करना होगा। 2010 और 2016 के बीच जन्मे फुटबॉल खिलाड़ी इसमें भाग लेने के पात्र हैं।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर कॉर्पोरेट मोनोपोली को बढ़ावा देकर देश को जोखिम में डालने का आरोप लगाया

जम्मू, 8 दिसंबर (हि.स.)। सीनियर कांग्रेस नेता और डीडीसी सुचेतगढ़, तरनजीत सिंह टोनी ने सोमवार को केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश एक ऐसे खतरनाक दौर में प्रवेश कर रहा है, जहाँ सरकारी संरक्षण और निजी रिश्तों के बल पर पनप रही कॉर्पोरेट मोनोपोली देश को बंधक बना सकती है। उन्होंने हाल ही में इंडिगो की उड़ानों के बड़े पैमाने पर रद्द होने की घटना को आने वाले समय की चेतावनी बताया। टोनी ने कहा कि एविएशन सेक्टर में हालिया संकट इस बात का सबूत है कि सरकार निजी कंपनियों को रेगुलेट करने में नाकाम रही है। उनके अनुसार, जब मोदी सरकार मोनोपोली को खुली छूट देती है, तो हालात बिगड़ते हैं। आज इंडिगो ने यात्रियों को परेशान किया, कल अंबानी या अडानी जैसी कंपनियाँ और बड़े सेक्टरों को अपनी मर्ज़ी से चलाने लगेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और बड़े कॉर्पोरेट घरानों की नज़दीकी ने इन कंपनियों को राष्ट्रीय संसाधनों पर अनुचित पहुँच उपलब्ध कराई है। कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी कि यदि फ्यूल, गैस, बिजली या अन्य ज़रूरी क्षेत्रों पर बड़े कॉर्पोरेट समूहों का कंट्रोल बढ़ा, तो अगला संकट कहीं ज्यादा विनाशकारी होगा। उन्होंने कहा कि जैसे इंडिगो ने लाखों यात्रियों को मुश्किल में डाला, वैसे ही भविष्य में देश को भी कॉर्पोरेट मोनोपोली द्वारा बंधक बनाना पड़ सकता है। टेलीकॉम सेक्टर का उदाहरण देते हुए टोनी ने कहा कि जियो अब 41 प्रतिशत से अधिक बाज़ार पर कब्ज़ा कर चुका है, और ओवरबिलिंग जैसे गंभीर मुद्दों पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने इसे सरकार द्वारा संरक्षित मोनोपोली करार दिया, जो स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को खत्म कर रही है। टोनी ने तत्काल रेगुलेटरी सुधारों की मांग करते हुए कहा कि नागरिकों को जवाबदेही चाहिए, न कि ऐसी सरकार जो निजी मुनाफे को जनता के हित से ऊपर रखती है और कॉर्पोरेट समूहों को देश की दिशा तय करने की ताकत देती है।

उपायुक्त ने आवारा जानवरों पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पूरी तरह पालन करने का निर्देश दिया

कुलगाम, 8 दिसंबर (हि.स.)। डिप्टी कमिश्नर कुलगाम अतहर आमिर खान ने आज डिस्ट्रिक्ट लेवल कमेटी की एक डिटेल्ड रिव्यू मीटिंग बुलाई जिसमें माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वप्रेरणा से दायर रिट पिटीशन (सिविल) नंबर 5/2025, जिसका टाइटल फआवारा कुत्तों से परेशान शहर, बच्चे कीमत चुकाएं बनाम आंध्र प्रदेश राज्यफ था, में जारी निर्देशों के लागू होने का आकलन किया गया साथ ही इससे जुड़े मामलों पर भी बात की गई।

मिनी सेक्रेटेरिएट कुलगाम में हुई मीटिंग के दौरान, उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए।

उपायुक्त ने सीईओ को निर्देश दिया कि वे यह पक्का करें कि कोई भी आवारा कुत्ता स्कूल कैंपस में न घुसे या न रहे और जहां भी दखल की ज़रूरत हो, वहां लोकल अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेट करें।

मीटिंग के दौरान उपायुक्त ने आवारा कुत्तों के मैनेजमेंट के लिए पूरे जिले में कार्रवाई को और मज़बूत करने के लिए कई खास निर्देश भी जारी किए। उन्होंने म्युनिसिपल कमेटियों को कुत्तों के लिए अलग शेल्टर शेड और क्वारंटाइन सेंटर बनाने का निर्देश दिया और एक हफ़्ते के अंदर सही ज़मीन के टुकड़ों की तुरंत पहचान करने का निर्देश दिया, यह पक्का करते हुए कि जगहें आबादी वाले इलाकों से दूर रहें और एसीपी को पंचायतों में भी अलग शेल्टर शेड पक्का करने का निर्देश दिया।

उन्होंने एनिमल वेलफेयर रूल्स, 2023 के अनुसार सख्ती से पालन किए जाने वाले तरीकों पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने आगे शेल्टर शेड के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर और ग्रामीण इलाकों में क्लस्टर बनाकर उपायों को लागू करने का निर्देश दिया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL IRRIGATION DIVISION, AKHNOOR/NOWSHERA
Tele/Fax :01924-253998/
Notice Inviting Tender
e-NIT No.: - MID/AN/78 Dated: -06/12/2025

For and on behalf of The Hon'ble Lt. Governor of Jammu and Kashmir (UT), Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor/Nowshera invites e-tenders from Approved contractors/ Registered firms / Workshop owners having experience in Electromechanical Works for following jobs: -

S. No.	Name of the work	Quantity	Earnest Money (Rs. in Lacs)	Cost of tender document	Time of completion	Class of contractor
1	Repair / Reconditioning/ fabrication of worn-out column assembly components of 20 cusec Jyoti make (3stage) 700T1 A6, 20 cusecs discharge VT pump no. 04 installed at LIS Ranjan.	01 Job	02% of the quoted value	Rs.200	10 Days	Registered /Reputed firms /Workshop owners having experience in Electromechanical Works

1. The bidding documents can be seen and downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in from 06/12/2025 (05:00PM) to 15/12/2025 (02:00 PM). Bidding document contains instruction for bidders, bill of quantities, general terms and condition and other details.
a) The Bids shall be uploaded in electronic format on the website http://www.jktenders.gov.in from 09/12/2025 (10:00 AM) to 15/12/2025 (02:00 PM).
b) The complete bidding process will be through electronic mode.
c) A pre-bid meeting will be held on 08/12/2025 (11:30 AM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera to address any queries from the firms.
d) Cover-I of the bids uploaded on the website up to due date and time will be opened on 16/12/2025 (1:00PM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera in the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.
e) Furnishing of hard copies of bids immediately after submission of e-Tenders is dispensed with. The same should be
obtained only from the bidders who is declared as L1 after opening of Financial Bids
f) The cost of the tenders should be collected by introducing e-challan by simply uploading a copy of necessary treasury challan/Receipt.
2. Similarly, insisting on actual call deposit receipt, a copy of same duly pledged to the department concerned should be uploaded by the tenderers. However, before allotting the work or issuing the supply order the original CDR should be obtained and kept on record.
3. Other details can be seen in the bidding document.
4. The guidelines regarding submission of bid in electronic mode can be downloaded from website http://www.jktenders.gov.in
5. The bidders shall go through the tender specific instructions sheet also.
No: - MID/AN/1304-09 Dated: - 06-12-2025

DIP/J-8760/25
Dtd: 8-12-2025

-Sd/-
Executive Engineer
Mechanical Irrigation Division
Akhnoor/Nowshera

संपादकीय

जम्मू कश्मीर के किसानों को रास्ता दिखाएं

इसमें कोई शक नहीं है कि मेडिसिनल और एरोमैटिक पौधों के अनदेखे फील्ड में विस्तार करने और किसान समुदाय को बड़े और पहले कभी नहीं देखे गए तरीके से आगे बढ़ने में मदद करने की बहुत गुंजाइश है, ताकि वे खुशहाल बन सकें और साथ ही J&K में इंडस्ट्री को फलने-फूलने में मदद मिल सके, जो वरना कई मामलों में पीछे है।

इस बारे में, जम्मू और कश्मीर के चीफ सेक्रेटरी अटल डुल्लू ने फॉरेस्ट और एग्रीकल्चर प्रोडक्शन डिपार्टमेंट्स के साथ CSIR-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन, जम्मू की एक जॉइंट मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए, पूरे जम्मू और कश्मीर में मेडिसिनल और एरोमैटिक पौधों की कमर्शियल खेती, कंजर्वेशन और बड़े पैमाने पर प्रमोशन के लिए एक बड़ा रोडमैप बनाने के लिए सही बात कही है कि जम्मू और कश्मीर अभी MAP सेक्टर से मुश्किल से 12 करोड़ सालाना कमा रहा है, जो नेशनल लेवल पर लगभग 10,000 करोड़ और ग्लोबल लेवल पर लगभग 2 लाख करोड़ के इसके बहुत ज़्यादा पोटेंशियल की तुलना में काफी कम है।

स्कोप को देखते हुए, यह ज़रूरी हो गया है कि स्टेकहोल्डर्स इस सेक्टर की इकोनॉमिक और रोजी-रोटी की क्षमता को अनलॉक करने के लिए, खासकर किसानों की इनकम बढ़ाने के लिए, एक स्ट्रक्चर्ड, साइंटिफिक तरीके से चलने वाली और कमर्शियली फायदेमंद स्ट्रैटेजी अपनाएं।

चीफ सेक्रेटरी के सुझाए गए पॉइंट्स बहुत ज़रूरी हैं क्योंकि ये खेती के इस नए फील्ड को अपनाने के लिए तैयार किसान बिरादरी के लिए गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट, एग्रीकल्चर प्रोडक्शन डिपार्टमेंट और एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूशन्स को यह ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए कि वे किसानों को इस नई चुनौती के तौर पर अपनाने का रास्ता दिखाएं और उन्हें इस नई दुनिया में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए टेक्निकल सपोर्ट, लॉजिस्टिक्स और बेसिक जानकारी भी दें।

साथ ही, यह भी उतना ही ज़रूरी है कि सरकार मार्केट लिंकेज और बायबैक अरेंजमेंट पक्का करे ताकि MAP खेती पर जाने के बाद किसानों को अनिश्चितता का सामना न करना पड़े। जब तक पक्का प्रोक्योरमेंट, स्टेबल प्राइसिंग और इंडस्ट्री प्लेयर्स से सपोर्ट नहीं मिलता, किसान पारंपरिक फसलों से हाई-वैल्यू मेडिसिनल प्लांट्स पर स्विच करने में शामिल शुरुआती रिस्क लेने में हिचकिचा सकते हैं। इसलिए, इस बदलाव को आसान और फायदेमंद बनाने के लिए प्रोसेसिंग यूनिट्स, स्टोरेज फैसिलिटीज़ और एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड क्लस्टर्स बनाना ज़रूरी होगा।

इसके अलावा, गांव लेवल पर अवेयरनेस और ट्रेनिंग प्रोग्राम को और तेज़ किया जाना चाहिए क्योंकि खेती करने वाले समुदाय का एक बड़ा हिस्सा अभी भी मेडिसिनल और एरोमैटिक पौधों से जुड़ी कमर्शियल संभावनाओं से अनजान है। डेमोंस्ट्रेशन प्लॉट, एक्सपोज़र विज़िट और किसान-साइंटिस्ट के बीच बातचीत से कॉन्फिडेंस बहुत बढ़ सकता है और ज़्यादा लोगों को इसमें हिस्सा लेने के लिए बढ़ावा मिल सकता है। इक्का-दुक्का खेती के साथ पहले से ही एक्सपेरिमेंट कर रहे ज़िलों या गांवों की सक्सेस स्टोरीज़ को हाईलाइट किया जाना चाहिए ताकि दूसरे लोग भी उसी रास्ते पर चलने के लिए मोटिवेटेड महसूस करें।

अगर सब कुछ सही दिशा में होगा तो वे दिन दूर नहीं जब जम्मू और कश्मीर इक्का-दुक्का से चलने वाली बायो-इकॉनमी के लिए भारत का लीडिंग हब बन जाएगा, जो हाई-वैल्यू खेती, प्रोसेसिंग और एक्सपोर्ट प्रमोशन पर फोकस करेगा।

कुल मिलाकर, अब समय आ गया है कि संबंधित डिपार्टमेंट मिलकर काम करें और खेती से लेकर मार्केटिंग तक, हर कदम पर किसानों को गाइड करके इस विज़न को हकीकत में बदलें, ताकि वे कॉन्फिडेंस के साथ मेडिसिनल और एरोमैटिक पौधों को एक फायदेमंद विकल्प के तौर पर अपनाएं।

चुनाव सुधार

निश्चित रूप से, यहसच है कि इन नवाचारों में से कोई भी पूरी तरह से दोषरहित नहीं है। मतगणना केंद्रों सहित स्थानीय स्तर परअक्सर बाहुबल का प्रभाव रहता हैऔर इसके संभावित रूप से विकृत परिणाम हो सकते हैं। मतदान अधिकारियों द्वारा हेरफेर के अनुभवजन्य प्रमाणों को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। जब संसदमें शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी, तो संभव है कि देश को आदर्श लोकतांत्रिक आचरण के अन्य विचलनों के बारे में सुनने को मिले, जिनका चुनाव आयोग द्वारा समाधान किये जाने की आवश्यकता है।

स्वपन दासगुप्ता

पचास साल से भी अधिक समय पहले, भारतीय राजनीति के एक प्रतिष्ठित ब्रिटिश विद्वान नेव्यंग्यपूर्वक टिप्पणी की थी कि चुनाव उन चीज़ों में से एक हैं जिन्हें भारतीय बहुत अच्छे से संपन्न करते हैं। भारतीय लोकतंत्र के स्थायी रूप से स्थगित हो जाने या हो जाने की आशंका (जो पूरी तरह से गलत नहीं थी) की पृष्ठभूमि में, चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता को सार्वजनिक जीवन की एक उद्धारक विशेषता के रूप में देखा जाता था। लोकतंत्र के इस प्राथमिक स्तंभ की अंतिम पुष्टि 1977 में तब हुई, जब आपातकाल की छाया के बावजूद, भारत के मतदाताओं ने एक अधिनायकवादी शासन को वोट के जरिये सत्ता से बाहर कर दिया।

चुनाव आयोग (ईसीआई) की यह सुनिश्चित करने की क्षमता कि जनमानसकी इच्छा विधायिकाओं में परिलक्षित हो, स्वतंत्रता प्राप्ति के पिछले सात दशकों में बार-बार परखी गई है। हालाँकि, मार्ग से विचलित होने के उदाहरण मौजूद हैं—इनमें 1972 का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 1987 का जम्मू-कश्मीर चुनाव, दो उल्लेखनीय उदाहरण हैं—लेकिन, भारत का चुनावी अनुभव आमतौर पर राजनीतिक प्रणाली की वैधता बनाए रखने में सहायक रहा है।

जैसा कि सर्वाधिक मत से जीत की प्रणाली (फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट) में होता है, जो विधायी बहुमत को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाती है, ऐसे उदाहरण भी हैं,जब हारने वाले लोग हैरानी में रह गएजिनके चुनावी अभियानके अनुभवपरिणाम से मेल नहीं खाते थे। 1971 में, एक पराजित पक्ष ने जोर देकर कहा कि सोवियत-निर्मित अदृश्य स्याही के उपयोग ने इंदिरा गांधी को शानदार जीत हासिल करने में मदद की। उपग्रह द्वारा ईवीएम के हेरफेर के ऐसे ही अविश्वसनीय दावे 2009 के आम चुनाव के बाद भी सुने गए थे।

जो कभी साजिश सिद्धांतकारों का विशेषाधिकार हुआ करता था, वह पिछले वर्ष अब हाशिए का मुद्दा नहीं रहा है।अपनी पार्टी के संख्या-विश्लेषकों से प्रोत्साहित होकर, जिनकी भविष्यवाणियाँ परिणाम से भिन्न थीं,विपक्ष के नेता ने मतदाता सूचियों की सत्यता को चुनौती दी है। जोरदार दावे किए गए हैं कि चुनाव आयोग विशेष गहन पुनरीक्षणका उपयोग कर अल्पसंख्यक मतदाताओं को इस आधार पर बाहर करने पर विचार कर रहा है कि वे भारतीय नहीं भी हो सकते हैं। यह विवाद पश्चिम बंगाल के राजनीतिक दलों के बीच खींचतान का विषय बन चुका है और यह असम तथा अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में भी फैल सकता है।

चूंकि संविधान का अनुच्छेद 321 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम चुनाव आयोग को चुनाव के संचालन के संबंध में विशेष क्षेत्राधिकार देता है, इसलिए चुनावी प्रक्रिया को राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर रखा गया है। दशकों से चुनाव आयोग ने चुनावों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई नवाचार पेश किए हैं। सबसे महत्वपूर्ण उपायों में आदर्श आचार संहिता शामिल है, जो अप्रिय राजनीतिक व्यवहार पर अंकुश लगाती है और ईवीएम ने वोटों में हेरफेर को और अधिक कठिन बना दिया है, हालांकि यह असंभव नहीं है। अब मतदान केंद्रों पर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के लिए नियम मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, प्रौद्योगिकी के प्रसार के साथ, चुनाव आयोग मतदान केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों पर जोर दे रहा है, ताकि मर्यादा बनी रहे तथा मतदान अधिकारियों और मतदाताओं को डराया-धमकाया न जा सके।

निश्चित रूप से, यहसच है कि इन नवाचारों में से कोई भी पूरी तरह से दोषरहित नहीं है। मतगणना केंद्रों सहित स्थानीय स्तर परअक्सर बाहुबल का प्रभाव रहता हैऔर इसके संभावित रूप से विकृत परिणाम हो सकते हैं। मतदान अधिकारियों द्वारा हेरफेर के अनुभवजन्य प्रमाणों को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। जब संसदमें शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी, तो संभव है कि देश को आदर्श लोकतांत्रिक आचरण के अन्य विचलनों के बारे में सुनने को मिले, जिनका चुनाव आयोग द्वारा समाधान किये जाने की आवश्यकता है।

लोकतांत्रिक परियोजना में एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में, संसद को आम जनता के लिए अपने व्यापक चुनाव अनुभव को संकलित करने की आवश्यकता है।

हालांकि, अच्छी राजनीति के बड़े लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होगी यदि राजनीतिक कार्यपालिका चुनाव आयोग के खिलाफ आम धमकियों, जिसमें शारीरिक नुकसान भी शामिल है, का इशारा करती है और सरकारी अधिकारियों—जिनके शालीन आचरण पर पूरी प्रणाली निर्भर करती है—को अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने से रोकती है। पश्चिम बंगाल में चल रहेएसआईआरके दौरान सत्तारूढ़ दल का आचरण शर्मनाक है।

कहने की जरूरत नहीं है कि सटीक मतदाता सूची का अस्तित्व लोकतंत्र की मूल शर्त है। यदि वंचित समुदायों के सदस्य मतदान केंद्रों से दूर रहने के लिए मजबूर किए जाते हैं, तो इसका विरोध होना स्वाभाविक है। दुर्भाग्यवश, इस बात का विरोध काफी कम होता है,जब बड़ी संख्या में लोगों को मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाता है या दोहरी और तिहरी प्रविष्टियाँ होती हैं, जो परिणाम को प्रभावित कर सकती है। चुनाव आयोग ने मतदाता पहचान पत्र और तस्वीरों के माध्यम से धोखाधड़ी की समस्या को सुलझाने की कोशिश की है। हालांकि, धोखेबाजों ने मृत या स्थायी रूप से स्थानांतरित लोगों के नाम पर वोट देकर चुनाव प्रणाली को चकमा देने के तरीके भी निकाल लिए हैं। पूर्वी भारत में अतिरिक्त समस्या यह है कि मतदाता सूचियों में उन व्यक्तियों को जोड़ दिया गया है, जो भारतीय चुनावों में वोट देने के लिए अयोग्य हैं।

वर्तमान में जारी एसआईआरप्रक्रिया पहला अवसर नहीं है, जब चुनाव आयोगएक व्यापक मतदाता सूची तैयार कर रहा है। हालांकि इस बड़े पैमाने के कार्यक्रम के लिए कोई निश्चित समय सारिणी, जैसे हर 10 साल में एक बार या ऐसी कोई अन्य अवधि, निर्धारित नहीं है, लेकिन यह माना जाता है कि जब तक यह आवधिक पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा, चुनावपरिणाम जनभावना को सही ढंग से प्रतिबिंबित नहीं करेंगे।

20वीं सदी के शुरुआती दशकों में आयरलैंड के संदर्भ में कहा जाता था कि लोगों को जल्द वोट दें और अक्सर वोट दें की सलाह दी जाती थी।एक उत्साही शोधकर्ता के लिए यह दस्तावेज बनाने लायक हो सकता है कि भारत के कुछ हिस्सों में किस प्रकार की अभिनव प्रथाएँ प्रचलित हैं, जैसे मृत व्यक्तियों द्वारा मतदान या एक उम्मीदवार के मतों का उसके प्रतिद्वंद्वी के खाते में सहजता सेस्थानांतरित हो जाना। एसआई आररचनात्मक राजनीति के इन सभीउदाहरणों को इतिहास में नहीं बदल देगा, लेकिन यह वैश्विक भरोसे में थोड़ी और दृढ़ताजोड़ेगा कि भारत अपनी चुनाव प्रक्रियाओं को अच्छे से संचालित करता है। आशा यह है कि आने वाले दशकों में किसी भी राज्य या क्षेत्र के बारे में यह नहीं कहा जाएगा कि वहाँ चुनाव नहीं होते, बल्कि उन्हें प्रबंधित किया जाता है।

गोवा की त्रासदी और भ्रष्टाचार की वह आग जिसने 25 जीवन छीन लिए

इस त्रासदी की नींव उस भ्रष्ट मानसिकता ने रखी थी जो वर्षों से कानून का गला उसी तरह दबाती रही है जैसे रात में वह आग ने उन 25 लोगों का दम घोंट दिया। रिश्वत की वह अदृश्य मुद्रा, अनुमतियों का वह छलावा, निरीक्षण की वह औपचारिकता और प्रभावशाली लोगों का वह दबदबा, इन सबने मिलकर उस इमारत को बचाए रखा जो गिरनी चाहिए थी। जब वह इमारत गिरी, तो अपने साथ केवल दीवारें नहीं गिरीं, माएँ गिरीं, पिता गिरे, बच्चों की हँसी गिरी, परिवारों का भविष्य गायब हो गया। यही भ्रष्टाचार का स्वभाव है। वह केवल नैतिकता नहीं खाता, वह जीवन खाता है, विश्वास खाता है और समाज की रीढ़ को खोखला कर देता है।

-कैलाश चन्द्र

गोवा की वह रात आज भी भारत की सामूहिक स्मृति में एक गहरे घाव की तरह दर्ज है, एक ऐसा घाव जिसका दर्द सिर्फ उन 25 परिवारों ने नहीं झेला जिनके घरों के चिराग उस हादसे में बुझ गए, इसे तो पूरे समाज ने महसूस किया है। सिलेंडर विस्फोट सिर्फ एक दुर्घटना नहीं है; वह उस अदृश्य लेकिन सर्वव्यापी दानव भ्रष्टाचार का नग्न, क्रूर और निर्दयी चेहरा है जिसने मानव जीवन की पवित्रता को पैसों की चकाचौंध में कुचलकर रख दिया।

वह क्लब जिसे नियमों के अनुसार ध्वस्त कर दिया जाना चाहिए था, जहाँ कानूनी मानकों का पालन अनिवार्य था, वहाँ कुछ व्यक्तियों के लालच ने कानून को अपनी जेब में रखा और रिश्वत की आग में जन जीवन की सुरक्षा को भस्म कर दिया।

यह वही क्षण था जहाँ प्रशासनिक सत्य दम तोड़ गया और भ्रष्टाचार एक मौन हत्यारे की तरह भीतर तक उतर गया। परिणाम 25 जीवन राख में बदल गए, 25 परिवारों के भविष्य दफन हो गए और अनगिनत सपनों की लौ हमेशा के लिए बुझ गई।

भ्रष्टाचार की सबसे भयावह सच्चाई यही है कि उसका दंड अकसर अपराधी को नहीं मिलता; वह उन निर्दोष लोगों पर टूटता है जिनका अपराध से कोई लेना देना ही नहीं होता। यही सामाजिक त्रासदी है और यही हमारी सामूहिक नैतिक विफलता। इस घटना में दोष उन हाथों का है जिन्होंने नियमों की अनदेखी की, कागजों पर झूठी अनुमति लिखी, निरीक्षण को औपचारिकता में बदल दिया और एक इमारत को गैर कानूनी सहारे पर खड़ा रहने दिया। पर दंड मिला उन मासूम लोगों को, जो न आनंद की रात की कल्पना से बाहर थे और न किसी खतरे की आहट से परिचित। जीवन कभी-कभी इतनी निर्ममता से इंसाफ करता है कि दोषी बच निकलते हैं और निर्दोष बेबस होकर दंडित हो जाते हैं। गोवा की यह त्रासदी उसी विडंबना का सबसे दर्दनाक उदाहरण है।

इस हादसे की जड़ में मात्र तकनीकी खामियाँ नहीं हैं। अग्निशमन यंत्र नहीं थे, सुरक्षा द्वार अनुपस्थित थे, आपातकालीन रास्ते अपर्याप्त थे, पर यह केवल आधा सच है। पूरा सच तो वह है जिसे समाज बोलते हुए भी डरता है।

इस त्रासदी की नींव उस भ्रष्ट मानसिकता ने रखी थी जो वर्षों से कानून का गला उसी तरह दबाती रही है जैसे रात में वह आग ने उन 25 लोगों का दम घोंट दिया। रिश्वत की वह अदृश्य मुद्रा, अनुमतियों का वह छलावा, निरीक्षण की वह औपचारिकता और प्रभावशाली लोगों का वह दबदबा, इन सबने मिलकर उस इमारत को बचाए रखा जो गिरनी चाहिए थी। जब वह इमारत गिरी, तो अपने साथ केवल दीवारें नहीं गिरीं, माएँ गिरीं, पिता गिरे, बच्चों की हँसी गिरी, परिवारों का भविष्य गायब हो गया। यही भ्रष्टाचार का स्वभाव है। वह केवल नैतिकता नहीं खाता, वह जीवन खाता है, विश्वास खाता है और समाज की रीढ़ को खोखला कर देता है।

भारतीय दर्शन ने सदियों पहले चेतावनी दी थी कि अधर्म का अंत निश्चित है; धर्म की रक्षा करने वाला ही सुरक्षित रहता है। यह केवल धार्मिक उपदेश नहीं है, यह तो समाज व्यवहार का कठोर मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है। भ्रष्टाचार से कमाया गया हर पैसा, हर सुविधा, हर अनुचित लाभ एक कर्म ऋण लेकर आता है। एक ऐसा ऋण जिसे समय किसी न किसी रूप में वसूल ही लेता है। कई बार प्रकृति वह दंड उसी से नहीं लेती जिसने गलती की; वह दंड समाज को सहना पड़ता है, व्यवस्था को चुकाना पड़ता है या किसी मासूम की अकाल मृत्यु के रूप में सामने आता है। गोवा की यह घटना इस कर्म ऋण की भयावह परिणति है!

हम अक्सर कहते हैं कि भ्रष्टाचार सिस्टम की कमजोरी है, पर गोवा का सच कहता है कि भ्रष्टाचार दरअसल एक मानव हत्या की प्रक्रिया है। यह किसी एक विभाग, एक अफसर, एक व्यापारी का दोष नहीं; यह समाज के उस सामूहिक मौन का परिणाम है जहाँ कानून को कमजोर करने वालों को हम देखते तो हैं, पर हाथ नहीं उठाते, गलत को पहचानते हैं, पर बोलने का साहस नहीं करते। जब कानून की जगह पैसे का असर ले लेता है और नैतिकता की जगह लाभ का गणित बैठ जाता है, तब दुर्घटनाएँ आकस्मिक नहीं रह जातीं, वे नियोजित परिणाम बन जाती हैं। सुरक्षा एक भ्रम की तरह टूटता है और जीवन एक संख्या में बदल जाता है।

अब प्रश्न यह है कि क्या हम केवल आँकड़ों तक सीमित रहने वाले समाज बन जाएँगे? क्या 25 की संख्या हमें एक दिन रुलाएगी और अगले दिन हम आगे बढ़ जाएँगे? क्या मासूमों का यह बलिदान केवल कुछ दिनों की खबर बनकर रह जाएगा या यह हमें भीतर तक झकझोर कर उत्प्रेरित करेगा कि भ्रष्टाचार किसी एक का दोष नहीं। यह हमारी सामूहिक सहिष्णुता की उपज है। यदि समाज भ्रष्टाचार को सामान्य मानकर चलता रहेगा, तो ऐसी त्रासदियाँ अपवाद नहीं, धीरे धीरे नियम बन जाएँगी। ऐसे में यही वह क्षण है जहाँ हमें अपने भीतर झाँकना होगा। हम कहाँ चूक रहे हैं? कब जागेंगे? कब बोलेंगे? कब विरोध करेंगे?

गोवा की यह पीड़ा चेतावनी है कि भ्रष्टाचार का फल कभी न कभी प्रकट होता ही है। चाहे सत्ता के पतन में, चाहे परिवारों के विनाश में, चाहे मासूम जीवन की अकाल मृत्यु में। केवल अपराधी का नाम ढूँढ लेना पर्याप्त नहीं; समाज को स्वयं से भी पूछना होगा कि हम कब जागेंगे? हम अपने आचरण में कब परिवर्तन लाएँगे? सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। यह शब्द कहावत तक सीमित नहीं हैं, ये एक जन त्रासदी का कठोर सत्य है। अब प्रश्न यह नहीं कि दोषी कौन है; बल्कि यह है कि भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने की सामूहिक जिम्मेदारी कौन उठाएगा? व्यक्ति, समाज, प्रशासन और सरकार सभी को विचार करना होगा, निर्णय लेना होगा और कार्रवाई करनी होगी। सबसे आसान है नियति को दोष देकर आगे बढ़ जाना; पर मानवता उससे कहीं बड़ा प्रश्न पूछती है कि क्या 25 जीवनों का मूल्य केवल शोक के कुछ शब्दों में सिमट सकता है या हम उनका कर्ज जिम्मेदारी बनकर चुकाएँगे।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वतंत्र लेखक हैं)

भारतीय रुपए का अवमूल्यन विमर्श का नया अवसर

– प्रहलाद सबनानी

माह जनवरी 2025 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बाजार में भारतीय रुपए का मूल्य 85.79 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर था, किंतु 3 दिसम्बर 2025 तक रुपए का मूल्य लगभग 5 प्रतिशत गिरकर 90.19 रुपए प्रति डॉलर हो गया। यह गिरावट हाल के समय की सबसे बड़ी दर्ज गिरावटों में से एक है। आश्चर्य की बात यह है कि जब भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के कई संकेत दे रही है, जैसे वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत के आठ-तिमाही उच्च स्तर पर पहुँचना और खुदरा मुद्रास्फीति का मात्र 0.25 प्रतिशत के निम्न स्तर पर आ जाना, तब भी एशियाई देशों में मुद्रा अवमूल्यन की दृष्टि से भारतीय रुपया सबसे तेज गिरावट वाला दिखाई दे रहा है। इसका स्पष्ट संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के बावजूद कुछ वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम रुपए पर नकारात्मक दबाव बना रहे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण कारण है ट्रम्प प्रशासन द्वारा वैश्विक व्यापार पर बढ़ाया गया टैरिफ दबाव। अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर उच्च शुल्क लागू किए हैं, और भारत से होने वाले कुछ विशेष निर्यातों जैसे रेडीमेड गारमेंट्स, कृषि व लेदर उत्पाद, समुद्री जीव उत्पाद तथा जेम्स एवं ज्वेलरी पर तो 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप भारत से इन उत्पादों का निर्यात प्रभावित हुआ है और डॉलर का अंतरप्रवाह कम हुआ है। हाल की तिमाही में भारत का कुल आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर रहा जबकि निर्यात मात्र 10,500 करोड़ डॉलर रहा, जिससे 8,000 करोड़ डॉलर का भारी व्यापार घाटा बना। अक्टूबर 2025 में विदेशी व्यापार घाटा और बढ़कर 4,100 करोड़ डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुँच गया। व्यापार घाटे की यह वृद्धि भारत में अमेरिकी डॉलर की मांग को बढ़ाती है, जिससे रुपए पर अवमूल्यन का दबाव और तेज हो जाता है।

दूसरा बड़ा कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी बाजार से तीव्र निवेश निकासी है। वर्ष 2025 में अब तक FII ने 1.48 लाख करोड़ रुपए अर्थात 1,640 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य का निवेश निकाल लिया है। वे यह धन डॉलर में ही निकालते हैं, जिससे बाजार में डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपए की कीमत और कमजोर होती जाती है। सामान्यत: दुनिया की अर्थव्यवस्थाएँ अपनी मुद्रा को स्थिर एवं मजबूत बनाए रखने का प्रयास करती हैं ताकि विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़े, परंतु मुद्रा के अवमूल्यन का दूसरा पक्ष यह भी है कि इससे निर्यातकों को अधिक स्थानीय मुद्रा प्राप्त होती है और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है। हालांकि आयात महँगे हो जाते हैं और मुद्रास्फीति की आशंका उत्पन्न होती है, विशेषकर भारत जैसा देश जहाँ कच्चे तेल का भारी आयात होता है।

रुपए के तेज अवमूल्यन की स्थिति में भारतीय रिजर्व बैंक प्राय: हस्तक्षेप करते हुए बाजार में डॉलर की उपलब्धता बढ़ाता है। मध्य सितम्बर 2025 तक RBI 2,000 करोड़ डॉलर बाजार में जारी कर चुका था, परंतु हाल के समय में RBI द्वारा कोई सीधा हस्तक्षेप नहीं किया गया। इसका उद्देश्य यह प्रतीत होता है कि वैश्विक व्यापार अस्थिरता की स्थिति में निर्यातकों को राहत देते हुए रुपए को कुछ समय कमजोर बने रहने दिया जाए। वैसे भी भारत के पास 68,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सुदृढ़ विदेशी मुद्रा भंडार है, जिसका उपयोग आवश्यकता पड़ने पर पर्याप्त डॉलर उपलब्ध कराने में किया जा सकता है। किंतु दीर्घकाल में समाधान यही है कि भारत अपने आयात को कम करे, निर्यात में वृद्धि करे और विदेशी व्यापार घाटे पर नियंत्रण स्थापित करे।

भारत में सबसे अधिक आयात होने वाले दो प्रमुख उत्पाद कच्चा तेल और स्वर्ण हैं। ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा विशेषकर सौर एवं पवन ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाना एक स्थायी समाधान है। केंद्र सरकार इस दिशा में लगातार कार्यरत है और उल्लेखनीय सफलता भी प्राप्त हो रही है। इसी प्रकार स्वर्ण आयात को कम करने के लिए घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर भी गंभीरता से विचार करना आवश्यक है। यदि भारत कच्चे माल का अधिकाधिक घरेलू उत्पादन सुनिश्चित कर ले और उत्पादन लागत को कम कर ले, तो भारतीय उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं।

उत्पादन की लागत को कम करने हेतु ब्याज दरों में कमी एक महत्वपूर्ण कदम होता है। इसी दिशा में भारतीय रिजर्व बैंक ने 5 दिसम्बर 2025 को रेपो दर को 5.50 प्रतिशत से घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया। साथ ही, 21 नवम्बर 2025 से देश में लागू की गई चार श्रम संहिताओं वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य शर्त संहिता 2020 ने श्रम कानूनों की जटिलताओं को कम करके उन्हें अधिक कारगर बनाया है। इन चार संहिताओं द्वारा पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को सरल, आधुनिक और प्रभावी बनाया गया है। इससे न केवल श्रमिकों को उचित वेतन, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर कार्य परिस्थितियाँ मिलेंगी, बल्कि उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा, जिससे उत्पादनशीलता में वृद्धि होगी और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। श्रमिकों की उत्पादकता बढ़ने से उत्पादन लागत घटेगी और भारतीय उत्पाद वैश्विक प्रतिस्पर्धा में और मजबूत होंगे। यह सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत को अपने विदेशी मुद्रा भुगतान संतुलन को संतुलित बनाए रखने के लिए धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देना चाहिए। धार्मिक पर्यटन विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करता है और विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ाता है। सरकार द्वारा अयोध्या, वाराणसी, उज्जैन, माता वैष्णोदेवी, प्रयागराज, केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री तथा अन्य धार्मिक नगरों में आधुनिक आधारभूत सुविधाओं के विकास ने विश्वभर के पर्यटकों को आकर्षित किया है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर एवं संपूर्ण नगर के पुनर्विकास ने धार्मिक पर्यटन की नई सम्भावनाएँ खोली हैं। इन शहरों में श्रद्धालुओं, विशेषकर विदेशी पर्यटकों, की संख्या में भारी वृद्धि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए सकारात्मक साबित हो रही है।

समग्रत: देखा जाए तो कभी-कभी वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच देश अपनी मुद्रा को नियंत्रित रूप से अवमूल्यित होने देते हैं, क्योंकि इससे निर्यात बढ़ने में सहायता मिलती है और दीर्घकाल में यह कदम देशहित में उपयोगी सिद्ध होता है। अत: वर्तमान परिप्रेक्ष्य में रुपए का अवमूल्यन कई वैश्विक कारकों की उपज है, न कि भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरी का संकेत। यदि भारत निर्यात में वृद्धि, आयात में कमी, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, उत्पादन लागत में कमी तथा श्रम सुधारों के मार्ग पर आगे बढ़ता रहा, तो यह स्थिति भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का अवसर भी प्रदान कर सकती है।

(लेखक, आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ हैं।)

मोनाल कप : सचिवालय लायंस और ईगल्स ने अपने-अपने मुकाबलों में दर्ज की जीत

एजेंसी

देहरादून। सचिवालय लायंस और सचिवालय ईगल्स की टीम ने मोनाल कप 2025 में अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। यहां महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए पहले मुकाबले में सचिवालय लायंस ने सचिवालय विंग्स को, जबकि दूसरे मैच में सचिवालय ईगल्स ने सुपर किंग्स को मात दी। दोनों मैचों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए पहले मैच में सचिवालय विंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 156 रन बनाए। टीम के लिए सुंदर भंडारी ने सबसे अधिक 41 रन बनाए। लायंस की ओर से मदन और धीरेंद्र सिंह ने प्रभावी गेंदबाजी करते हुए 2-2 विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सचिवालय लायंस की टीम ने संयमित बल्लेबाजी की और 19.4 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बल्लेबाज मदन ने बेहतरीन पारी खेलते हुए 46 रन बनाए और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मदन के अलावा सोमपाल सिंह ने भी महत्वपूर्ण 31 रन जोड़े।

शाकिब गलत गेंदबाजी एक्शन के कारण निलंबित, कहा- मैंने जानबूझकर किया

लंदन : बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने स्वीकार किया कि शारीरिक थकान के कारण उन्हें सरे की तरफ से खेलते हुए इंग्लिश काउंटी मैच के दौरान जानबूझकर चकिंग (गलत एक्शन से गेंदबाजी करना) का सहारा लेना पड़ा, जिसके कारण उन्हें गेंदबाजी से निलंबित कर दिया गया। बाएं हाथ के स्पिनर शाकिब को इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली सभी प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया था, क्योंकि पिछले साल दिसंबर में लॉफबोरो विश्वविद्यालय में एक स्वतंत्र जांच में उनके गेंदबाजी एक्शन को अवैध पाया गया था। अंपायरों ने टांटन में समरसेट के खिलाफ सरे के प्रथम श्रेणी मैच के दौरान उनके गेंदबाजी एक्शन को लेकर शिकायत की थी। इस मैच की दो पारियों में उन्होंने लगभग 65 ओवर गेंदबाजी की थी। शाकिब ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं जानबूझकर ऐसा कर रहा था, क्योंकि मैंने (एक मैच में) 70 से अधिक ओवर फेंके थे। मैंने अपने करियर में कभी भी टेस्ट मैच में 70 ओवर नहीं किए। मैं टांटन में समरसेट के खिलाफ सरे की तरफ से चार दिवसीय मैच खेल रहा था। मैं बहुत थका हुआ था।'

दूसरे एशेज टेस्ट में नाथन लियोन को प्लेइंग 11 से बाहर क्यों रखा

एडिलेड : ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट में नाथन लियोन को अंतिम एकादश से बाहर रखने पर उठे विवाद को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि यह फैसला बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करने के लिए लिया गया था और स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज के खिलाफ कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं थी। यह पिछले 13 साल में पहला अवसर था जबकि लियोन को घरेलू टेस्ट मैच से बाहर किया गया। इस स्पिनर ने इसके बाद कहा था कि उनका मूड बेहद खराब है। ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा था कि लियोन को केवल इस मैच के लिए बाहर किया गया। उन्होंने एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए इस 38 वर्षीय स्पिनर को अंतिम एकादश में जगह देने की गारंटी दी थी। स्मिथ ने मैच के बाद कहा, 'लियोन को लेकर कुछ भी व्यक्तिगत शिकायत नहीं है। वह पिछले कई वर्षों से हमारे मुख्य स्पिनर रहे हैं लेकिन बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए यह फैसला किया गया।' उन्होंने कहा, 'जिस तरह से हमारे पुछल्ले बल्लेबाज लगभग 50 ओवर तक टिके रहे, उससे हमें वह संतुलन मिला जिसकी हमें तलाश थी।' ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिस्बेन टेस्ट में बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम को आठ विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया के पुछल्ले बल्लेबाजों में तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने 77 रन की पारी खेली जबकि तेज गेंदबाज माइकल नेसर (16) और ब्रेंडन डोगेट (13) ने भी अच्छा योगदान दिया।

अमित पासी ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, डेब्यू टी 20 मैच में 44 गेंदों में शतक लगाकर बड़ी उपलब्धि हासिल की

मुंबई। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के आखिरी लीग मैच में बड़ौदा के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज अमित पासी ने ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने घरेलू टी20 क्रिकेट को नया इतिहास दे दिया। 26 वर्षीय पासी ने अपने टी20 डेब्यू पर मात्र 44 गेंदों में शतक जड़कर पुरुषों के टी20 डेब्यू में सबसे ज्यादा रन बनाने के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने बड़ौदा को सर्विसेज पर रोमांचक जीत दिलाई। पासी न केवल डेब्यू पर शतक लगाने वाले चुनिंदा भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हुए बल्कि टीम को 220 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाने में भी मुख्य भूमिका निभाई। बड़ौदा के लिए ओपनिंग करने उतरे अमित पासी शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में दिखे। उन्होंने 55 गेंदों पर 114 रन की शानदार पारी खेलते हुए 10 चौके और 9 छक्के लगाए। इस पारी ने उन्हें पाकिस्तान के बिलाल आसिफ के बराबर ला खड़ा किया, जिन्होंने 2015 में 48 गेंदों पर 114 रन बनाकर पुरुषों के टी20 डेब्यू का विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था। पासी अब इस रिकॉर्ड के संयुक्त मालिक बन चुके हैं। अमित पासी टी20 डेब्यू में शतक लगाने वाले भारत के केवल तीसरे बल्लेबाज बने हैं।

भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 : सस्ती ऑनलाइन टिकटें बिक्री शुरू होते ही खत्म

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 14 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले टी-20 मैच का क्रेज क्रिकेट प्रेमियों के सिर चढ़कर के बोल रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मैच की सस्ती टिकटें बुकिंग शुरू होते ही खत्म हो गई। मैच की अब केवल ऑनलाइन महंगी टिकटें ही उपलब्ध हैं। 5 हजार से लेकर 20 हजार रुपए तक की टिकटें ऑनलाइन बिक्री के लिए खुल गई हैं। टिकटों की कीमत और उपलब्धता नॉर्थ स्टैंड 2 की टिकटें 5 हजार रुपए में, वेस्ट और ईस्ट स्टैंड की 7 हजार रुपए, पवेलियन टैरेस 9 हजार, क्लब लाउंज 12,500 व कॉरपोरेट बॉक्स की टिकटें 20 हजार रुपए में ऑनलाइन मिल रही हैं। टिकटों की इतनी तेज बिक्री दर्शाती है कि स्थानीय स्तर पर क्रिकेट प्रेमी इस मुकाबले को देखने के लिए उत्साहित हैं। टी-20 सीरीज के चलते दिल्ली से धर्मशाला व वापसी की फ्लाइट टिकटों में भारी बढ़ोतरी हुई है। 10 से 14 दिसंबर तक ऑनलाइन टिकटों की कीमत 10 हजार से लेकर 27 हजार रुपए तक पहुंच गई है। वहीं धर्मशाला से दिल्ली तक की हवाई टिकटें 9 से 12 हजार रुपए के बीच मिल रही हैं। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट की स्थिति अभी अस्पष्ट है। दोनों टीमों के खिलाड़ी चार्टर्ड प्लेन से 12 दिसंबर को धर्मशाला पहुंचेंगे।

धर्मशाला और मैक्लोडगंज के होटलों में क्रिकेट मैच के चलते एडवांस बुकिंग बढ़ गई है। धर्मशाला के आसपास 35 से 40 फीसदी होटल पहले ही बुक हो चुके हैं, जबकि मैक्लोडगंज में 20 से 25 फीसदी की बुकिंग हो चुकी है।एचपीसीए सचिव अवनीश परमार ने बताया कि टिकट की बुकिंग जारी है और सस्ती टिकटें पहले ही बिक चुकी हैं। बीसीसीआई की फ्रैंचाइजी ने धर्मशाला और आस-पास के प्रमुख होटल पहले ही रिजर्व कर लिए हैं। होटल एसोसिएशन धर्मशाला के अध्यक्ष अश्वनी बांबा के अनुसार भी होटल बुकिंग में तेजी आई है और फोन बुकिंग लगातार आ रही हैं। एचपीटीडीसी के धर्मशाला एजीएम कैलाश ठाकुर ने कहा कि उनके होटल मैच से पहले ही फुल हो चुके हैं। टी-20 सीरीज के लिए दोनों टीमों के स्क्वाड पहले ही घोषित किए जा चुके हैं। भारतीय टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी एडन मार्कराम कर रहे हैं। दोनों टीमों में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं, जो किसी भी समय मैच का रुख बदल सकते हैं। इस सीरीज का पहला टी-20 मैच 9 दिसंबर को कटक के मैदान पर खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में, तीसरा मुकाबला 14 दिसंबर को धर्मशाला में, चौथा 17 दिसंबर को लखनऊ में और आखिरी मैच 19 दिसंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। सभी मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से शुरू होंगे, जबकि टॉस मैच से आधे घंटे पहले होगा।

क्रिकेट के फाइनल में केजीएन ने दिल्ली को 6 विकेट से हराकर जीती ट्राफी

एजेंसी

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा कस्बे के रहमानियां खेल ग्राउंड में चल रहे मौलाना सलीम मेमोरियल अखिल भारतीय खेल महोत्सव के दूसरे फेज में शुरू हुए क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला केजीएन मौदहा और दिल्ली के बीच 20-20 ओवरों का खेला गया। मुख्य अतिथि फिरोज़ कानपुर ने दोनों टीमें के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मुकाबला शुरू कराया। जिसमे दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाए। दिल्ली की ओर से ओपनिंग बल्लेबाजी करने आए अभय यादव व अमन ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन मीशम अब्बास की गेंद पर अभय यादव 25 रनों पर आउट हो गए उनकी जगह बल्लेबाजी करने उतरे सौरभ सिंह ने 37 तो समन्वय ने 59 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इसके बाद सुमित सिंह ने 21 रन बनाकर टीम का स्कोर 184 रनों पर पहुंचा दिया। और केजीएन मौदहा को 185 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केजीएन मौदहा ने अपने ओपनर बल्लेबाज अभय व हर्षित ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और अभय ने 29 तो हर्षित ने 50 रनों की शानदार पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी प्रियांशु व आलोक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत ओर पहुंचा दिया और अंत में प्रियांशु बड़ा शाट खेलने गये लेकिन सीधे कैच आउट हो गए। इसी तरह प्रियांशु ने 72 रन बनाए जबकि 15 रनों पूर्व टीम को जीत दिलाकर नाबाद आए। इस तरह केजीएन मौदहा ने दिल्ली को 6 विकेट से फाइनल में पराजित कर ट्राफी पर कब्जा कर लिया। इस मुकाबले के मैन ऑफ दी मैच प्रियांशु रहे।

गंजारी में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में त्रिशूल आकार की फ्लड लाइटें लगनी शुरू, शिवमय होने लगा स्टेडियम

एजेंसी

वाराणसी। गंजारी में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अब अपनी भव्यता और आध्यात्मिक थीम की पहचान स्पष्ट करने लगा है। स्टेडियम में त्रिशूल के आकार की फ्लड लाइटें लगनी शुरू हो गई हैं, जिससे पूरा क्षेत्र शिवमय वातावरण से भर उठा है। यह देश का पहला धार्मिक थीम पर आधारित क्रिकेट स्टेडियम होने जा रहा है, जिसमें काशी की आस्था, परंपरा और आध्यात्मिकता की अनूठी झलक मिलेगी।

स्टेडियम का 75फीसदी निर्माण पूरा

मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिया कि तय समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा किया जाए। वर्तमान में स्टेडियम के निर्माण का 75 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, और शेष कार्य तेजी से प्रगति पर है।

पूरे परिसर में शिव तत्वों का समावेश

स्टेडियम की थीम पूरी तरह भगवान शिव पर आधारित है।

डिज़ाइन की विशेषताएँ इस प्रकार हैं—

डमरू के आकार का पवेलियन

त्रिशूल के आकार की फ्लड लाइटें

बेलपत्र के आकार का प्रवेश द्वार

अर्धचंद्राकार छत

काशी के घाटों की तरह बैठक व्यवस्था

इन निर्माण तत्वों के साथ यह स्टेडियम काशी की धार्मिक, सांस्कृतिक और वास्तुकला परंपरा को आधुनिक खेल अवसंरचना के साथ जोड़ता है।

30 हजार दर्शकों की क्षमता

स्टेडियम में एक साथ 30,000 दर्शकों के बैठने की सुविधा होगी। बैठने की संरचना को इस तरह बनाया जा रहा है कि वह काशी के ऐतिहासिक घाटों की आकृति का अनुभव कराए।

पूर्वांचल के खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर

23 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शिलान्यास किए गए इस स्टेडियम के बन जाने के बाद पूर्वांचल, मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएँ मिलेंगी।

यह क्षेत्रीय क्रिकेटरों के लिए एक बड़ा मंच साबित होगा।

2026 में आईपीएल मैच कराने की योजना

सूत्रों के अनुसार, स्टेडियम के तैयार होने के बाद 2026 में आईपीएल के कुछ मैच वाराणसी में कराने की योजना है। इससे शहर की पहचान वैश्विक खेल मानचित्र पर और मजबूत होगी।

स्थानीय लोगों में उत्साह, अर्थव्यवस्था को भी मिलेगा लाभ

स्टेडियम के तेजी से आगे बढ़ते निर्माण को देखकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह है। पर्यटन, होटल, परिवहन, व्यापार और रोजगार के नए अवसरों से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप: भारत ने वेल्स को 3-1 से हराया

एजेंसी

सैंटियागो (चिली)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2025 के 9/16वें स्थान के क्वालिफिकेशन मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेल्स को 3-1 से मात दी। यह मुकाबला सोमवार को सैंटियागो स्थित सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टेडियो नासिओनल में खेला गया। भारत की ओर से हिना बानो (14वां मिनट), सुनेलिता टोप्पो (24वां मिनट) और इशिका (31वां मिनट) ने गोल दागे, जबकि वेल्स के लिए एलोइस मोएट (52वां मिनट) ने एकमात्र गोल किया। मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम आक्रामक नजर आई और पहले 30 सेकेंड के भीतर ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा और मौके बनाती रहीं, हालांकि शुरुआती मिनटों में गोल नहीं मिल सका। इस बीच वेल्स को पेनल्टी स्ट्रोक का मौका मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर निधि ने शानदार बचाव करते हुए स्कोर बराबर रखा। पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में साक्षी राणा की बेहतरीन मूव

के बाद हिना बानो ने आसान टैप-इन से भारत को बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा और एक बार फिर साक्षी राणा के शॉट के रिबाउंड पर सुनेलिता टोप्पो ने नजदीक से गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। पहले हाफ में 14 सर्कल एंट्री के साथ भारत मजबूत स्थिति में रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही भारत ने तीसरा गोल दाग दिया। वेल्श गोलकीपर के रिबाउंड पर इशिका ने गेंद को गोलपोस्ट में भेज दिया। इसके बाद कोच ज्योति सिंह की टीम ने खेल की रफ्तार पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और ऊंची प्रेस के साथ वेल्स की रक्षा पंक्ति को लगातार पीछे धकेलती रही। आखिरी क्वार्टर में वेल्स की ओर से एलोइस मोएट ने एक गोल जरूर किया, लेकिन यह केवल सांत्वना गोल साबित हुआ। भारतीय टीम ने मजबूती से मैच समाप्त करते हुए 3-1 से जीत दर्ज की। भारतीय टीम अपना अगला मुकाबला 9 दिसंबर को उरुग्वे के खिलाफ खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा टेस्ट आठ विकेट से जीता, इंग्लैंड के खिलाफ 2-0 से बनाई बढ़त

एजेंसी

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हरा दिया है। ब्रिसबेन में खेले गए इस डे-नाइट टेस्ट मैच में इंग्लैंड की दूसरी पारी 241 रन पर सिमटी और उसे 64 रनों की बढ़त हासिल हुई। इससे ऑस्ट्रेलिया को चौथे दिन 65 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में मेजबान टीम ने दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 69 रन बनाते हुए जीत दर्ज कर ली। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले मैच में मेहनाम टीम को 8 विकेट से मात दी थी। ऑस्ट्रेलिया की इस जीत में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने पूरे मैच में कुल 8 विकेट (पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 2 विकेट) लिए। साथ ही 77 रन की उपयोगी पारी खेली। स्टार्क के अलावा माइकल नेसेर ने दूसरी पारी में पांच विकेट के साथ पूरे मैच में 6 विकेट अपने नाम किए। मिचेल स्टार्क को शानदार

प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इंग्लैंड ने पहली पारी में 334 रन बनाएमैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी चुनी और पहली पारी में 334 रन बनाए थे। टीम के लिए पहली पारी में अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 206 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 138 रन की शतकीय पारी खेली थी। रूट के अलावा सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली ने 76 रन बनाए थे। जोफ्रा आर्चर ने 38 रन, हैरी ब्रूक ने 31 रन, कप्तान बेन स्टोक्स ने 19 रन और विल जैक्स ने 19 रन का योगदान दिया था। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट लिए, जबकि स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डोगेट और माइकल नेसेर ने एक-एक विकेट हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 511 रन, 177 रन की ली बढ़तजवाब में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 511 रन का बड़ा स्कोर बनाया। इससे टीम को 177 रन की विशाल बढ़त मिली। ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली पारी में पांच खिलाड़ियों ने अर्धशतक लगाया। सलामी बल्लेबाज जेक वेदराल्ड ने 72 रन, मार्नस लाबुशेन 65 रन, स्टीव स्मिथ 61 रन, एलेक्स कैरी 63 रन और मिचेल स्टार्क ने 77 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इनके अलावा कैमरून ग्रीन ने 45 रन, ट्रेविस हेड ने 33 और जोश इंगलिस ने 23 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर ब्राइडन कार्स ने 4 विकेट और बेन स्टोक्स ने 3 विकेट लिए। जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन और विल जैक्स ने 1-1 विकेट लिया।

कराटे चैंपियनशिप में कानीन जुकु आर.बी. मार्शल आर्ट्स अकेडमी के खिलाड़ियों ने जीते 10 पदक

एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के सन वैली पब्लिक स्कूल के भोमी कैंपस में 6 और 7 दिसंबर को हुई तीसरी यूएसकेआई ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में कानीन जुकु आर.बी. मार्शल आर्ट्स अकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। अकेडमी के खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में कुल 10 पदक अपने नाम किए हैं। अकेडमी के 6 खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में बेहतरीन खेल दिखाते हुए 6 स्वर्ण, 3 रजत और 01 कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में खुशी मजूमदार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए काता और कुमिते दोनों वर्गों में रजत पदक हासिल किया। आरुषि वर्मा ने काता और कुमिते दोनों ही वर्गों में स्वर्ण पदक जीता। दृष्टि उपाध्याय ने कुमिते वर्ग में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, जबकि रिया राजभर ने कुमिते में कांस्य पदक अर्जित किया। देवेंद्र राय ने अपने दमदार प्रदर्शन से

कुमिते के साथ-साथ काता वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा आरुष देव वर्मा ने काता वर्ग में स्वर्ण और कुमिते में रजत पदक अपने नाम किया। शानदार प्रदर्शन के बाद सभी खिलाड़ियों का हर्षोल्लास के साथ स्वागत और सम्मान किया गया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने स्थानीय खेल जगत में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है।

मप्र के शूटर ऐश्वर्य प्रताप ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप-2025 में जीता रजत पदक, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

एजेंसी

भोपाल। कतर के दोहा शहर में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल 2025 में दो बार के ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहा में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में सिल्वर पदक हासिल किया। एशियन चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर के लिए आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल में पहला व्यक्तिगत पदक है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर बधाई दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार देर शाम सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मध्य प्रदेश के गौरव खरगोन निवासी अंतर्राष्ट्रीय शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने दोहा (कतर) में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप

फाइनल -2025 में 50 मीटर रायफल 3 पोजिशन -पुरूष इवेंट में रजत पदक जीत कर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में चेकिया के जिरी प्रिव्रात्स्की से 0.9 अंक पीछे रहे. जिरी ने आईएसएसएसफ के 40 शॉट के नए प्रारूप में खेले गए फाइनल में 414.2 का स्कोर कर स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि पेरिस 2024 के गोल्ड मेडलिस्ट पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के लियू युकुन ने लुसैल शूटिंग कॉम्प्लेक्स में 388.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। इससे पहले क्वालिफिकेशन में ऐश्वर्य ने 595 अंक हासिल किए। वह पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के तियान जियामिंग के बाद दूसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 598 अंक के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया। ऐश्वर्य ने पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीता था।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेज़बानी के उत्सव में काशी में हुआ 'फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल' का विशेष संस्करण

एजेंसी

वाराणसी। आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक विरासत और खेल भावना से ओतप्रोत काशी में रविवार, 7 दिसंबर 2025 को फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल का विशेष संस्करण सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। यह विशेष आयोजन भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की आधिकारिक मेज़बानी मिलने के उपलक्ष्य में समर्पित रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिकों, सुरक्षा कर्मियों, विद्यार्थियों और फिटनेस प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में निजी सुरक्षा गार्डों ने भी विशेष साझेदार के रूप में सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे आयोजन में अनुशासन और जनभागीदारी दोनों का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

इस विशेष संस्करण में वाराणसी की सांस्कृतिक महिमा और खेल उत्कृष्टता को आगे बढ़ाते हुए कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुईं—

पंडित साजन मिश्र, पद्म भूषण सम्मानित एवं बनारस घराने के प्रख्यात शास्त्रीय गायक, महंत विश्वंभर नाथ मिश्र, अध्यक्ष–संकट मोचन फाउंडेशन, प्रोफेसर IIT-BHU, पखावज वादक, संजू सहज, बनारस घराने के प्रसिद्ध तबला वादक, सुनील सिंह, एशियन यूथ वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप 2025 के रजत पदक विजेता, दिव्या सिंह, भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम की पूर्व कप्तान,प्रतिमा सिंह, पूर्व भारतीय बास्केटबॉल खिलाड़ी, प्रसिद्ध 'सिंह सिस्टर्स' की सदस्य, पूजा सिहाग, भारतीय फ्रीस्टाइल रेसलर, कॉमनवेल्थ 2022 की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट, प्रियंका गोस्वामी, ओलंपियन एवं कॉमनवेल्थ 2022 की सिल्वर मेडलिस्ट, देश की अग्रणी रेसवॉक खिलाड़ी, इन सभी हस्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सांस्कृतिक गरिमा और खेल प्रेरणा से भर दिया। वाराणसी की गलियों और घाटों की धुन के बीच साइक्लिंग, योग, जुम्बा और डांस जैसे विशेष फिटनेस सत्रों ने कार्यक्रम को एक उत्सव का रूप दिया। प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य, ऊर्जा और खेल भावना का संदेश पूरे उत्साह के साथ अपनाया। फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल की पहल दिसंबर 2024 में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के मार्गदर्शन में शुरू हुई थी।

एचपीसीए ने भारत-दक्षिण अफ्रीका टी 20 मैच के लिए राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मुख्य न्यायाधीश को दिया न्यौता

एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में 14 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले टी 20 सीरीज के मैच के लिए मुख्यमंत्री, राज्यपाल और मुख्य न्यायाधीश को न्यौता भेजा है। एचपीसीए के सचिव अवनीश

परमार ने बताया कि एसोसिएशन की तरफ से राज्य के इन तीन प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों को आगामी टी 20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के लिए औपचारिक रूप से निमंत्रण दिया है, जो 14 दिसंबर 2025 को एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एचपीसीए इस हाई-प्रोफाइल मैच की मेजबानी करके गौरवान्वित है और उन प्रतिष्ठित नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति की प्रतीक्षा कर रहा है, जिनका सहयोग हिमाचल प्रदेश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में हमेशा सहायक रहा है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन विश्वस्तरीय क्रिकेट अनुभव प्रदान करने और धर्मशाला को दुनिया के सबसे मनोरम और प्रमुख खेल स्थलों में से एक के रूप में प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नवनियुक्त केएससीए अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने चिन्नास्वामी में आईपीएल व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी का किया वादा

एजेंसी

नई दिल्ली। नवनिर्वाचित कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष और भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक बार फिर आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी सुनिश्चित करने के साथ-साथ कर्नाटक क्रिकेट के समग्र विकास को प्राथमिकता देने का संकल्प जताया है। प्रसाद का यह चयन केएससीए के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 4 जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की आईपीएल 2025 जीत पर निकाली गई विजय यात्रा के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद केएससीए सवालों के घेरे में आ गया था।

पूर्व में 2010 से 2013 तक केएससीए के उपाध्यक्ष रह चुके प्रसाद ने भारत के लिए 33 टेस्ट और 161 एकदिवसीय मैच खेले हैं। उन्होंने कहा कि चुनावों में क्लीन स्वीप करने वाले उनके 'टीम गेम चेंजर्स' पैनल का उद्देश्य संगठन का फोकस फिर से क्रिकेट पर लाना और चिन्नास्वामी स्टेडियम की प्रतिष्ठा को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्थल के रूप में बहाल करना है। प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'केएससीए अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। चिन्नास्वामी में आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी और कर्नाटक क्रिकेट के हर स्तर पर विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं। टीमवर्क, पारदर्शिता और समर्पण के साथ हम अपने लक्ष्य तक जरूर पहुंचेंगे। मुझ पर विश्वास जताने वाले हर सदस्य का धन्यवाद।

'पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुजित सोमसुंदर को केएससीए का उपाध्यक्ष चुना गया है, जबकि संतोष मेनन सचिव पद पर लौटे हैं। मेनन इससे पहले 2019 से 2022 तक भी इस पद पर रह चुके हैं। बी.एन. मधुकर को कोषाध्यक्ष चुना गया है, वहीं प्रतिद्वंद्वी के.एन. शांत कुमार पैनल के बीके रवि ने संयुक्त सचिव का पद हासिल किया।

केएससीए चुनावों में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। कई नामांकन पत्र खारिज हुए और एक हाईकोर्ट केस ने चुनावी माहौल को और गरमाया। 1,307 वोट डाले गए, जो 2013 के रिकॉर्ड 1,351 मतों से कुछ कम थे। वेंकटेश प्रसाद को 749 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी के.एन. शांत कुमार को 588 वोट प्राप्त हुए। प्रसाद पैनल को पूर्व भारतीय दिग्गज अनिल कुंबले और जवागल श्रीनाथ का भी समर्थन हासिल था, जो 2010 से 2013 के बीच क्रमशः केएससीए अध्यक्ष और सचिव रह चुके हैं।उपाध्यक्ष पद पर सोमसुंदर ने 719 वोट हासिल कर डी. विनोद शिवप्पा (588) को हराया। सचिव पद पर संतोष मेनन ने 672 वोट पाकर ई.एस. जयराम (632) को मात दी। कोषाध्यक्ष पद पर मधुकर ने 736 वोट के साथ एम.एस. विनय (571) को पराजित किया। संयुक्त सचिव पद पर बीके रवि ने 669 वोट के साथ ए.वी. शशिधर (638) को हराया। प्रबंध समिति के दो आजीवन सदस्य पदों पर वी.एम. मंजुनाथ (690 वोट) और सैलेश एन. पोल (618 वोट) चुने गए। बेंगलुरु ज़ोन से पूर्व क्रिकेटर कल्पना वेंकटाचर (764 वोट), अविनाश वैद्य (691) और आशीष अमरलाल (703) ने तीनों उपलब्ध सीटें अपने नाम कीं।

सोने-चांदी के दाम में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले दिन ही सोने और चांदी के भाव में मामूली गिरावट रिकॉर्ड की गई है। यदि आप शादियों के सीजन के लिए खरीदारी की योजना बना रहे हैं, तो आज का दिन अच्छा मौका हो सकता है। आज भारत में 24 कैरेट सोने का भाव 1,30,140 रुपये प्रति दस ग्राम है। वहीं, चांदी का रेट 1,89,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया है, जिसमें 100 की मामूली गिरावट दर्ज हुई है।9 और 10 दिसंबर को अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की बैठक होने वाली है, जिसमें ब्याज दरों को लेकर फैसला किया जाएगा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यदि फेड रेट कट करता है, तो सोने की कीमतों में तेजी आ सकती है, जिससे कल से कीमतों में वृद्धि के आसार हैं। इस साल दोनों धातुओं की कीमतों में 60फीसदी से ज्यादा की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई है। मार्केट एक्सपर्ट संभावना जता चुके हैं कि आने वाले साल में इन मेटल्स की कीमतों में भारी वृद्धि हो सकती है। एक्सपर्ट का मानना है कि नए साल के मध्य तक ही चांदी 2 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक हो सकती है। विभिन्न शहरों में 24 कैरेट सोने की कीमत अलग-अलग है; उदाहरण के लिए, दिल्ली में यह 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम है।

इंडिगो के शेयरों में चार दिनों में सात प्रतिशत से अधिक गिरावट

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में पिछले चार दिनों में सात प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। यह गिरावट एयरलाइन की उड़ानों के रद्द होने के बाद आई है। एयरलाइन ने बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द कर दी हैं, जिससे हजारों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। पिछले चार कारोबारी दिनों में बीएसई पर इस शेयर में 7.23 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह शेयर 1.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,371.30 रुपये पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 3.15 प्रतिशत गिरकर 5,266 रुपये पर आ गया था। एनएसई पर कंपनी का शेयर 1.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,367.50 रुपये पर बंद हुआ। एक दिसंबर से अब तक कंपनी का बाजार मूल्यांकन 16,190.64 करोड़ रुपये घटकर 2,07,649.14 करोड़ रुपये रह गया है। देश भर में हवाई यात्रा लगातार चौथे दिन भी प्रभावित रही, क्योंकि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने नयी दिल्ली से प्रस्थान करने वाली सभी उड़ानें सहित 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं।

हरियाणा सरकार ने एकीकृत पेंशन योजना के तहत कर्मचारियों को ग्रेच्युटी लाभ दिए

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एकीकृत पेंशन योजना के तहत आने वाले राज्य सरकार के कर्मचारियों को 'सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और 'डेथ ग्रेच्युटी' के लाभ देने की घोषणा की। इस बारे में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, जिनके पास अतिरिक्त मुख्य सचिव, वित्त का भी प्रभार है, ने एक विभागीय ज्ञापन जारी किया, जिसमें साफ किया गया कि एकीकृत पेंशन योजना के तहत दर्ज सभी राज्य सरकार के कर्मचारी अब इन ज़रूरी ग्रेच्युटी लाभ के लिए पात्र माने जायेंगे।हरियाणा सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित की गई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को अपनाया था। यूपीएस को एक अगस्त, 2025 से लागू किया गया था, जिसमें एक जनवरी, 2006 को या उसके बाद भर्ती हुए राज्य सरकार के कर्मचारी शामिल हैं, और जो पहले एनपीएस के तहत आते थे।

भारत-ईएईयू तरजीही व्यापार समझौते पर जल्द हस्ताक्षर के पक्ष में रूसी राष्ट्रपति

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत एवं यूरेशियाई आर्थिक संघ (ईएईयू) के बीच तरजीही व्यापार समझौते पर जल्दी हस्ताक्षर होने से वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के प्रवाह में बाधाएं कम करने में मदद मिलेगी। भारत और ईएईयू ने पिछले सप्ताह इस मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर पहले दौर की बातचीत की थी। ईएईयू के पांच सदस्य देशों- रूस, आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान एवं किर्गिजस्तान के साथ भारत ने 20 अगस्त को समझौते के लिए नियमों एवं शर्तों को अंतिम रूप दिया था।

भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए पुतिन ने यहां भारत-रूस व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच 100 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों देशों के कारोबारी समुदायों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। फिलहाल दोनों देशों के बीच व्यापार का आकार लगभग 70 अरब डॉलर है। पुतिन ने कहा कि दोनों क्षेत्रों के लिए वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के प्रवाह के लिए बाधाएं कम करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'इस संदर्भ में ऐसा प्रतीत होता है कि भारत और यूरेशियाई आर्थिक संघ के बीच प्राथमिक व्यापार समझौते पर जल्द हस्ताक्षर से एक मजबूत प्रोत्साहन दिया जा सकता है।' पुतिन ने कहा कि रूसी प्रतिनिधिमंडल केवल ऊर्जा मुद्दों पर चर्चा करने नहीं बल्कि तेल और गैस आपूर्ति के अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने के लिए भी यहां है। उन्होंने कहा कि रूसी कंपनियां भारत से उत्पादों और सेवाओं की खरीद में कई गुना वृद्धि करने के लिए तैयार हैं। पुतिन ने यह भी कहा कि मजबूत द्विपक्षीय निपटान और भरोसेमंद भुगतान एवं बीमा व्यवस्था के बगैर मुक्त व्यापार के बारे में सोचना भी असंभव है। उन्होंने राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग से होने वाले लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाहरी घटनाओं के बावजूद वित्तीय लेनदेन अविरल बनाए रखना आवश्यक है।

निवेशक सक्रिय फंड छोड़ पैसिव फंड की ओर, एक साल में फोलियो तीन गुना बढ़कर 4.81 करोड़ हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। पैसिव फंड में इंडेक्स फंड, ईटीएफ (गोल्ड, सिल्वर व अन्य) और विदेशी एक्सचेंज जैसे हैंगसेंग, न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में निवेश के लिए फंड ऑफ फंड्स (ओवरसीज) शामिल हैं। कम खर्च, आसान निवेश और स्थिर लॉन्ग-टर्म रिटर्न की वजह से ये फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। म्यूचुअल फंड में निवेशक के नियम बदल रहे हैं। पुराना नियम था, तेज उतार-चढ़ाव में जानकार या फंड मैनेजर का हाथ थामो, यानी एक्टिव फंड पर दांव लगाओ, जिसे कोई विशेषज्ञ संभालता है। मगर अब पिछले एक साल के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि निवेशक सक्रिय (एक्टिव) फंड्स के बजाय तेजी से निष्क्रिय (पैसिव) फंड्स पर भरोसा कर रहे हैं। AMFI के मुताबिक, पैसिव फंड फोलियो अक्टूबर, 2025 तक 3 गुना से ज्यादा बढ़कर 4.81 करोड़ हो गए। अक्टूबर, 2024 में यह 1.30 करोड़ था। इसके मुकाबले एक्टिव फंड (ओपन एंडेड 10 व इक्विटी 16.5 फीसदी) में फोलियो की वृद्धि दर आधी है।

भारतीय निवेशकों ने अपने तजुर्बे से सीख लिया है कि बाजार में अनिश्चितता होती है, तो ज्यादा फीस देकर किसी फंड मैनेजर के पूर्वाग्रह या गलत फैसलों पर निर्भर रहने से बेहतर है कि कम लागत वाले पैसिव फंड को अपनाया जाए। निवेशकों की बदलती पसंद के कारण पिछले एक साल में एक्टिव फंड की तुलना में पैसिव फंड में सबसे ज्यादा नई स्कीमें लॉन्च हुई हैं...

पैरामीटर	अक्तू.25
अक्तू.24 वृद्धि	
ओपन एंडेड स्कीम 329 315 14फीसदी	
ग्रोथ/इक्विटी स्कीम 539 471 68फीसदी	
पैसिव फंड स्कीम 546 687 141फीसदी	

क्या होते हैं पैसिव फंड?

ऐसे फंड, जो किसी बाजार इंडेक्स (जैसे Nifty 50, Nifty Ne&t 50, Nifty Midcap 150, और Nifty Smallcap 250) को ट्रैक करते हैं। इसका मकसद बाजार के प्रदर्शन को कॉपी करना होता है। ये सक्रिय रूप से स्टॉक चुनने के बजाय, इंडेक्स में शामिल शेयरों को उसी अनुपात में खरीदते हैं, ताकि उसकी चाल और रिटर्न बिल्कुल इंडेक्स जैसे रहें। इसे ट्रैकिंग कहते हैं।

ईटीएफ ने चमकाया बाजार

एक्टिव के बजाय पैसिव फंड में निवेश बढ़ने की एक वजह गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का आकर्षक रिटर्न भी है। गोल्ड ईटीएफ ने 51फीसदी और सिल्वर ईटीएफ ने 53फीसदी का रिटर्न दिया है। अक्तूबर 2025 के दौरान पैसिव फंड में आए कुल निवेश 16,668 करोड़ रुपये में से सबसे ज्यादा 7,743 करोड़ रुपये का निवेश अकेले गोल्ड ईटीएफ में हुआ है। इसके बाद 6,181 करोड़ रुपये का निवेश अन्य ईटीएफ में गया।

अमेरिकी फेड के फैसले और एफआईआई की गतिविधियों से इस हफ्ते तय होगी बाजार की चाल

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला इस हफ्ते घरेलू शेयर बाजारों के रूझान तय करने वाला प्रमुख कारक होगा। शेयर बाजार पर नजर रखने वाले विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक गतिविधियां और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की भावना को प्रभावित करेगा। विश्लेषकों के मुताबिक निवेशकों का पूरा ध्यान अब 9-10 दिसंबर को होने वाली अमेरिकन फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर है।

इसके अतिरिक्त इस हफ्ते 12 दिसंबर को आने वाले देश के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आंकड़ों पर बाजार बारीकी नजर रखेंगे। साथ ही वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर भी ध्यान रहेगा, जो उभरते बाजारों की जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है। निवेशक रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले हफ्ते डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे चली गई थी। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में सुस्ती रही, जहां प्रमुख शेयर सूचकांक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों सेंसेक्स 447.05 अंक उछल कर 85,712.37 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 152.70 अंक की बढ़त के साथ 26,186.45 पर बंद हुआ था।

भारत-रूस की उर्वरक कंपनियों ने 1.2 अरब डॉलर की यूरिया संयंत्र लगाने का समझौता किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की तीन उर्वरक कंपनियों - आरसीएफ, आईपीएल और एनएफएल - ने रूस की कंपनी यूरालकेम के साथ 1.2 अरब डॉलर (लगभग 10,000 करोड़ रुपये) की अनुमानित लागत से एक नया यूरिया संयंत्र स्थापित करने के लिए समझौता किया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।रूस के किसी शहर में लगने वाले इस संयंत्र की सालाना क्षमता 20 लाख टन होगी और इसके 2028 के मध्य तक चालू होने की उम्मीद है।

भारत यूरिया का शुद्ध आयातक है और इस समझौते से उसे सुरक्षित और निश्चित आपूर्ति का लाभ मिलेगा। इस संबंध में सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर की घोषणा करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने 'भारत को खाद की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के कदमों का स्वागत किया और इस क्षेत्र में संयुक्त उद्यम स्थापित करने की संभावना पर चर्चा की। ' मंत्रालय ने बताया कि एमओयू रूस

की जेएससी यूरालकेम और भारतीय कंपनियों - राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ), नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) और इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) के गठजोड़ के बीच हुआ है। नया संयंत्र यूरिया उत्पादन के लिए रूस के प्राकृतिक गैस और अमोनिया संसाधनों का उपयोग करेगा।

सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित संयुक्त कंपनी में आरसीएफ और आईपीएल की 45-45 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि बाकी हिस्सेदारी एनएफएल की होगी। बयान के मुताबिक 1.2 अरब डॉलर का प्रस्तावित निवेश इक्विटी और कर्ज के जरिए पूरा किया जाएगा। भारत ने भले ही घरेलू यूरिया उत्पादन बढ़ाया है, लेकिन कमी पूरी करने के लिए अभी भी आयात करता है। देश ने 2024-25 में 56.47 लाख टन यूरिया आयात किया, जिसमें से बड़ी मात्रा रूस से आई थी।

सरकार का जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र की हिस्सेदारी तीन गुना करने का लक्ष्यः शाह

एजेंसी

गांधीनगर। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि अपनी 'निश्चित रणनीति' के तहत सरकार का लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करना और 50 करोड़ से ज़्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाना है।

शाह ने गांधीनगर के 'महात्मा मंदिर' सम्मेलन केंद्र में आयोजित 'अर्थ समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने वर्ष 2030 तक वैश्विक जैविक बाजार में भारत का हिस्सा 20 प्रतिशत और वर्ष 2035 तक 40 प्रतिशत तक बढ़ाने का भी लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे देश में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करना चाहती है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद ग्रामीण विकास, खेती, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र को देश के आर्थिक प्रणाली और पूरे विकास के ज़रूरी हिस्सों के तौर पर पहचाना गया। शाह ने कहा, ''पूरी तरह से विकसित भारत के दृष्टिकोण में हर नागरिक की भलाई शामिल है, और उस लक्ष्य को पाने के लिए सहकारिता, खेती, पशुपालन और ग्रामीण विकास क्षेत्र पर ध्यान देना ज़रूरी है।'' उन्होंने कहा, ''एक निश्चित रणनीति के तहत, हमने तय किया है कि कुछ ही साल में हम हर पंचायत में एक सहकारिता संस्था बनाएंगे। हम 50 करोड़ से ज़्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाएंगे और देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करेंगे।''

उन्होंने कहा कि गुजरात में बनास डेयरी ने डेयरी सेक्टर में संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल वाली अर्थव्यवस्था का एक मॉडल बनाया है और वह मॉडल अब पूरे देश में इस्तेमाल के लिए उपलब्ध है। शाह ने कहा कि अब सहकारिता मंत्रालय देश में गन्ना क्षेत्र के लिए भी ऐसा ही मॉडल तैयार करने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि ताजा आंकड़े बताते हैं कि देश में करीब 49 लाख किसान पहले ही प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं और किसानों के लिए इसमें बहुत संभावनाएं है। शाह ने कहा, ''भारत ऑर्गेनिक्स और अमूल के समर्थन से हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के हिसाब से किसानों की ज़मीन और उपज के जैविक परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं की एक श्रृंखला बना रहे हैं। गेहूं और चावल जैसे करीब 40 जैविक उत्पाद पहले से ही ऑनलाइन बेचे जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमने एक लक्ष्य रखा है कि वर्ष 2030 तक भारत का वैश्विक जैविक बाजार में 20 प्रतिशत से ज़्यादा और वर्ष 2035 तक 40 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा होगा। इस मकसद के लिए हमने दो बहु-राज्य सहकारिता बनाए हैं। उनमें से एक किसानों से जैविक उत्पाद खरीदेगी, जबकि दूसरी उन्हें बेचेगी।

मेंटॉरशिप के बिना स्टार्टअप आगे नहीं बढ़ सकते, सिर्फ फंडिंग पर्याप्त नहींः डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की अगली पीढ़ी के स्टार्टअप को आकार देने में फंडिंग से ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका मेंटॉरशिप की होगी। उन्होंने शोध में जोखिम लेने की संस्कृति और युवा नव प्रवर्तकों को शुरुआती मार्गदर्शन देने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह बात आज यहां इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ) के दूसरे दिन 'स्टार्टअप जर्नीज' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा के दौरान कहा कि भारत सीमित विज्ञान शिक्षा की स्थिति से निकल कर अब ऐसे दौर में पहुंच चुका है, जहां अवसर लोकतांत्रिक ढंग से छोटे शहरों और साधारण पृष्ठभूमि के युवाओं तक पहुंच रहे हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अब केवल नीति निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि विचारों को बाजार से जोड़ने वाला मजबूत इकोसिस्टम तैयार किया जा

रहा है। जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद, राष्ट्रीय मिशन और सेक्टर-विशिष्ट कार्यक्रमों के जरिए स्टार्टअप को फंडिंग, उद्योग और मेंटरशिप से जोड़ा जा रहा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि नवाचार असफलताओं के बिना संभव नहीं है इसलिए शोध और विकास में जोखिम को स्वीकार करना होगा, तभी भारतीय स्टार्टअप वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। स्वास्थ्य तकनीक और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत ने बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं, जो पहले केवल विदेशों में ही उपलब्ध थीं।

युवा उद्यमियों के सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने से पहले उद्देश्य और क्षमता की स्पष्ट समझ जरूरी है। खासकर छात्र-छात्राओं के लिए सरकार शुरुआती स्तर पर प्रतिभा पहचान और मार्गदर्शन से जुड़े कार्यक्रमों का विस्तार कर रही है। नियामकीय बाधाओं को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा कि सरकार डी-रेगुलेशन, डी-लाइसेंसिंग और डी-क्रिमिनलाइजेशन की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है, ताकि उद्यमी अनुपालन के बजाय नवाचार पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी भारत की नवाचार नीति का केंद्रीय स्तंभ बनी रहेगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बच्चों में जिज्ञासा को बढ़ावा देना और उन्हें सवाल पूछने का आत्मविश्वास देना उतना ही जरूरी है जितना फंडिंग या बुनियादी ढांचा, क्योंकि भारत 2047 के लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है।

इक्विटी पीछे, गोल्ड आगे! 2025 में मिला 67फीसदी रिटर्न

एजेंसी

नई दिल्ली। 2025 में सोने ने 67फीसदी रिटर्न दिया। कीमत जनवरी के 77,100 से बढ़कर 1,28,800 रु प्रति 10 ग्राम हुई। विशेषज्ञों के अनुसार 2026 में 5फीसदी-16फीसदी और बढ़ोतरी संभव। सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस वर्ष बाजार में इसने अब तक

लगभग 67 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कारोबारियों का कहना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये-डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है तो 2026 में सोने की कीमत 5फीसदी से 16फीसदी प्रति 10 ग्राम और चढ़ सकती है। नका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं, इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश करना जरूरी है। इस वर्ष 1 जनवरी को बाजार में सोने की कीमत 77,100 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते 1,28,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिया है।

टॉप पांच कंपनियों का मार्केट कैप 72,285 करोड़ रुपये बढ़ा, टीसीएस को ज्यादा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) पिछले हफ्ते 72,284.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे ज़्?यादा लाभ हुआ है।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक जिन पांच कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में इजाफा हुआ है, उसमें भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और इंफोसिस प्रमुख है, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी के मार्केट कैप में इस

दौरान गिरावट दर्ज हुई है। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 35,909.52 करोड़ रुपये बढ़कर 11,71,862.37 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मार्केट कैप 23,404.55 करोड़ रुपये बढ़कर 6,71,366.53 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 6,720.28 करोड़ रुपये बढ़कर 6,52,396.39 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 3,791.9 करोड़ रुपये बढ़कर 12,01,832.74 करोड़ रुपये हो गया।

उल्लेखनीय है कि इस अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,116.76 करोड़ रुपये घटकर 20,85,218.71 करोड़ रुपये रह गया। इसके बावजूद रिलायंस इंडस्?ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। पिछले हफ्ते बॉम्?बे स्?टॉक एक्?सचेंज (बीएसई) सेंसेक्स महज 5.7 अंक चढ़ा, जबकि नेशनल स्टॉक एक्?सचेंज (एनएसई) का निफ्टी में 16.5 अंकों की गिरावट आई है।

नवीकरणीय ऊर्जा के लिए एमएनआरई ने वित्तपोषण रोकने को कोई परामर्श जारी नहीं किया

एजेंसी

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने साफ किया कि उसने वित्तीय संस्थानों को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं या नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण इकाइयों को ऋण देना रोकने के लिए कोई परामर्श जारी नहीं किया है।

मंत्रालय का यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बीच आया है, जिनमें कहा जा रहा था कि एमएनआरई ने अत्यधिक क्षमता की चिंताओं के मद्देनजर ऋणदाताओं को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नई वित्त सहायता रोकने की सलाह जारी की है। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने अपनी स्थापित विद्युत क्षमता का 50 फीसदी गैर-जीवाश्म ईंधन स्त्रोतों से प्राप्त कर लिया है। भारन ने इसे पेरिस समझौते में राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के तहत

निर्धारित लक्ष्य से पांच वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिया है। मंत्रालय ने कहा कि 31 अक्टूबर तक गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से स्थापित क्षमता लगभग 259 गीगावाट है, जिसमें वित्त वर्ष 2025-26 में अक्टूबर, 2025 तक 31.2 गीगावाट की वृद्धि हुई है।

मंत्रालय ने कहा कि एमएनआरई निरंतर नीतिगत समर्थन, बुनियादी ढांचे के विकास और नवाचार के जरिए सौर विनिर्माण तंत्र को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए हितधारकों के साथ बातचीत जारी रखेगा, ताकि भारत की सौर यात्रा समावेशी, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार बनी रहे।

चीन का निर्यात नवंबर में 5.9फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन के निर्यात में नवंबर में वृद्धि दर्ज हुई है। वहीं पिछले महीने इसमें अप्रत्याशित गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि अमेरिका को निर्यात में एक साल पहले की तुलना में लगभग 29 प्रतिशत की गिरावट आई। यह लगातार आठवें महीने दोहरे अंकों में गिरावट का संकेत है। सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में चीन से कुल निर्यात डॉलर के लिहाज से पिछले साल की तुलना में 5.9फीसदी अधिक रहा। यह 330.3 अरब डॉलर दर्ज किया गया, जो अर्थशास्त्रियों के अनुमान से बेहतर है। यह अक्तूबर में हुई 1.1फीसदी की गिरावट से बेहतर है। वहीं चीन से अमेरिका को निर्यात में वर्ष के अधिकांश समय गिरावट आई है, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका सहित अन्य गंतव्यों को निर्यात में वृद्धि हुई है। नवंबर में चीन के आयात में 1.9फीसदी की वृद्धि हुई, जो अक्तूबर की 1फीसदी वृद्धि से बेहतर है। हालांकि संपत्ति क्षेत्र में लगातार मंदी अभी भी उपभोक्ता खर्च और व्यावसायिक निवेश पर दबाव डाल रही है।ट्रंप और शी की मुलाकात में एक साल के लिए व्यापार युद्धविराम पर सहमति बनी अक्तूबर के अंत में दक्षिण कोरिया में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी नेता शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक में चीन और अमेरिका के बीच एक साल के लिए व्यापार युद्धविराम पर सहमति बनी।

अगले साल 1 से 5 मई तक भारत मंडपम में भारतीय स्वदेशी मेला का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वावलंबन भावना और स्वदेशी उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के स्वदेशी मेला आयोजन बोर्ड ने देश के पहले और सबसे बड़े 'भारतीय स्वदेशी मेला' के लिए मार्ग व मानचित्र को अंतिम रूप दे दिया है। इस भव्य मेले का आयोजन अगले साल 1 से 5 मई को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में होगा। सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नई दिल्ली में स्वदेशी मेला आयोजन बोर्ड की राष्ट्रीय बैठक में इस भव्य मेले के आयोजन की रूपरेखा तय की गई, जो 1 से 5 मई 2026 तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में होगा। उन्होंने बताया कि सरकारी, वैश्विक एवं संस्थागत भागीदारी के तहत आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के लिए जल्द ही देशव्यापी प्रचार अभियान शुरू किया जाएगा। कैट महामंत्री ने कहा कि यह मेला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल ', 'लोकल टू ग्लोबल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण से गहराई से प्रेरित है। बैठक की अध्यक्षता स्वदेशी मेला आयोजन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. रामगोपाल गोयल ने की। बैठक में वैश्विक हैंडलूम आइकन और सामाजिक उद्यमी रूमादेवी ने अपने संबोधन में व्यापारियों से जड़ों से जुड़े रहने, स्वदेशी अपनाने और स्वदेशी को विश्व मंच तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने व्यवसायियों से भारत की पारंपरिक कौशल-सम्पदा को आगे बढ़ाने और पूर्णतः स्वदेशी उत्पादों को विश्व बाज़ारों में स्थापित करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम की रूपरेखाः

भारतीय उद्यमिता शक्ति का भव्य प्रदर्शन :-इसके तहत भारतीय स्वदेशी मेला अभूतपूर्व स्तर पर निम्न क्षेत्रों को एक ही मंच पर लाएगा।

-एमएसएमई, स्टार्टअप और महिला उद्यमी

-कारीगर, हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट क्लस्टर

-स्व-सहायता समूह, ग्रामीण

उद्योग एवं उत्पाद-आधारित संस्थाएं

-राष्ट्रीय व्यापार संगठन एवं सेक्टोरल फेडरेशंस

-निर्माता, व्यापारी एवं युवा उद्यम

देश के हर राज्य और केंद्र-शासित प्रदेश से प्रदर्शकों की भागीदारी होगी, जो भारत की पारंपरिक विरासत से लेकर आधुनिक नवाचारों तक का संपूर्ण व्यापारिक परिदृश्य प्रस्तुत करेंगे।

संस्कृति, वाणिज्य व नवोन्मेष का उत्सवः- आगंतुकों के लिए इस मेले में उत्सव-शैली का अनुभव होगा, जिसमें शामिल होंगे।

-भारत की सांस्कृतिक पहचान दर्शाता मनमोहक थीम-आधारित सज्जा

-कारीगरों, नवोन्मेषकों व स्टार्टअप्स द्वारा लाइव कार्य-प्रदर्शन

-प्रतिदिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं सेलिब्रिटी शो

-पैन-इंडिया फूड कोर्ट एवं क्षेत्रीय पाक-उत्सव

-युवाओं, परिवारों व उपभोक्ताओं के लिए इंटरएक्टिव ज़ोन

-अनुभवात्मक पवेलियन और इनोवेशन शोकेस

-आर्थिक अवसरों का शक्तिशाली उत्प्रेरक

उच्च-तीव्रता वाले बिजनेस एंगेजमेंटः-इसके तहत मेले में निम्न प्रमुख कारोबारी गतिविधियां होंगी, जो इस प्रकार है।

- बैंकों, फ़िनटेक्स और राज्य प्रतिनिधिमंडलों द्वारा ऑन-द-ह्यश्चश्वह्ल ह्यश्वड्डह्यह्य और श्वह्लष्ह्य

-शार्क टैंक की तर्ज पर स्टार्टअप प्लेटफ़ॉर्म

-लाइव टेक्नोलॉजी और नवाचार प्रदर्शन

-युवा प्रतियोगिताएं, प्रोडक्ट लॉन्च और नेटवर्किंग मंच

-निवेशक इंटरैक्शन एवं निर्यात-उन्मुख व्यावसायिक सहयोग

अमेरिका में भारतीय समुदाय के लिए बड़ी उपलब्धि, मिशिगन रिपब्लिकन पार्टी के सह अध्यक्ष चुने गए सनी रेड्डी

एजेंसी

वॉशिंगटन । भारतीय अमेरिकी उद्यमी और कम्युनिटी लीडर सनी रेड्डी को मिशिगन रिपब्लिकन पार्टी का सह अध्यक्ष चुना गया है। यह अमेरिका की कड़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच भारतीय समुदाय के लिए एक बड़ी कामयाबी है। मिशिगन रिपब्लिकन पार्टी के चेयरमैन जिम रुनेस्टेड ने कहा कि उन्होंने सह-अध्यक्ष को लेकर बहुत सोच-समझकर फैसला किया है। उन्होंने सनी रेड्डी की जमीनी स्तर की ऊर्जा, डोनर्स तक पहुंच और व्यक्तिगत ईमानदारी के दुर्लभ मेल के लिए उनकी तारीफ की। रुनेस्टेड ने कहा, 'कोई ऐसा जो मेहनती हो और सच कहूं तो मैं सनी से ज्यादा मेहनती इंसान को नहीं जानता। वह मिशिगन राज्य के हर हिस्से में रहे हैं। वह मिशिगन राज्य के हर एक हिस्से की परवाह करते हैं। ' रुनेस्टेड ने कहा कि रेड्डी का प्रभाव मिशिगन के भारतीय अमेरिकी समुदाय में बहुत गहराई तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा था कि हमारा कोई कार्यक्रम था। 600 लोग, उनके परिवार, सनी रेड्डी की फोटो लेने आए थे। वह पूरे भारतीय समुदाय में सबसे बड़े सेलिब्रिटी जैसे हैं। ' रुनेस्टेड ने रेड्डी को अब तक का सबसे अच्छा आदमी बताया और कहा कि उन्हें आम तौर पर सनी के बारे में सुनने को मिलता है कि वह बिना किसी का ध्यान खींचे चुपचाप समुदाय की जरूरतों का खर्च उठाते हैं।

अफ्रीकन स्वाइन फीवर के बढ़ते मामलों के बाद फिलीपींस ने लगाई स्पेन से सुअर मांस निर्यात पर रोक

मनीला । फिलीपींस ने स्पेन से सूअर मांस के आयात पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि स्पेन में अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) का मामला मिला है। यह जानकारी फिलीपींस के कृषि विभाग ने दी। कृषि मंत्री फ्रांसिस्को टियू लॉरेल ने कहा कि यह रोक केवल कुछ समय के लिए है और इससे क्रिसमस के समय सूअर मांस की कमी या दाम बढ़ने जैसी समस्या नहीं होगी। उन्होंने बताया कि देश के कोल्ड स्टोरेज पहले से ही भरे हुए हैं और त्योहारों में बढ़ने वाली मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। स्पेन के पशु चिकित्सकीय अधिकारियों ने 28 नवंबर को विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन को बताया कि बार्सिलोना के साबाडेल क्षेत्र में जंगली सूअरों में एएसएफ मिला है। इसके बाद फिलीपींस ने यह रोक लगाई है ताकि बीमारी देश में न फैल सके और घरेलू व जंगली दोनों तरह के सूअरों की सुरक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए स्पेन से सूअर के शिपमेंट के लिए सभी सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी परमिट अपने आप रद्द कर दिए गए हैं।

बेनिन ने नाइजीरिया की मदद से तख्तापलट की कोशिश की नाकाम

अबुजा। पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन में नाइजीरियाई सेना ने वहां के सुरक्षा बलों की सहायता करते हुए तख्तापलट की कोशिश को नाकाम किया है। बेनिन के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में बताया कि बेनिन ने नाइजीरिया से तुरंत हवाई सहायता देने और नाइजीरियाई सैनिकों को भेजने की मदद मांगी थी, ताकि देश के संविधान और संस्थाओं की रक्षा की जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बेनिन के अनुरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला अहमद टिनुबु ने नाइजीरियाई सशस्त्र बलों को बेनिन में तख्तापलट की कोशिश करने वाले समूह को रोकने में मदद करने का तुरंत आदेश दिया। बेनिन की ओर से जारी इस बयान में कहा गया, 'सरकार के वफादार सैनिकों ने नाइजीरिया की मदद से नेशनल टीवी पर नियंत्रण हासिल करने और तख्तापलट की कोशिश करने वालों को कुछ घंटों में बाहर निकाल दिया। ' पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय (इकोवास) ने बताया कि उसने बेनिन में अपनी सेना भेजने का आदेश दिया। इस बल में नाइजीरिया, सिएरा लियोन, कोट डी'इवॉर और घाना के सैनिक शामिल थे। इनका काम सरकार और सेना की मदद करना था, ताकि देश में संवैधानिक व्यवस्था और क्षेत्रीय अखंडता बनी रहे।

ट्रंप के खिलाफ खड़े हुए ममदानी, 30 लाख अप्रवासियों की रक्षा का लिया संकल्प

वाशिंटन। ममदानी ने न्यूयॉर्क के 30 लाख अप्रवासियों की रक्षा करने का संकल्प लेते हुए कहा कि आप अधिकारों को जानते हैं तो हम सभी आईसीई के खिलाफ खड़े हो सकते हैं। उन्होंने उन्हें बचने के टिप्स दिए। न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी पुराने तेवर में दिख रहे हैं। खासकर अप्रवासियों को लेकर तेवर फिर साफ कर दिए हैं। ममदानी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (ढ्ढष्ठश्च) के एजेंटों से बात करने या उनकी बात मानने से इनकार करने के अप्रवासियों के अधिकार के बारे में बताया। यह वीडियो संघीय एजेंटों द्वारा मैनहट्टन में छापे के कुछ दिनों बाद आया है। वीडियो में ममदानी ने न्यूयॉर्क के 30 लाख अप्रवासियों की रक्षा करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि आप अपने अधिकारों को जानते हैं तो हम सभी आईसीई के खिलाफ खड़े हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में लोग संघीय आव्रजन एजेंटों से बात न करने,।

नेपाल के पोखरा हवाईअड्डे के निर्माण में 837 करोड़ रुपये का घोटाला, 56 लोगों पर मुकदमा दायर

एजेंसी

काठमांडू। चीन की योजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत बनाए गए पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निर्माण में 837 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। इसके बाद पांच पूर्व मंत्रियों, करीब एक दर्जन पूर्व सचिव सहित 56 हाईप्रोफाइल व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया है।

एंटी करप्शन ब्यूरो के अनुसार विमानस्थल निर्माण के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ और इसी आधार पर 56 व्यक्तियों तथा चीनी कम्पनी चाइना की कंपनी सीएएमसी इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड के विरुद्ध अभियोग दाखिल किया गया है। संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन के पूर्व मंत्रियों भीम आचार्य, रामकुमार श्रेष्ठ, दीपक अमात्य, डा. रामशरण महत और स्व. पोस्ट बहादुर बोगटी को प्रतिवादी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त पूर्व सचिव सुशील घिमिरे, सुरेशमान श्रेष्ठ,

सुमनप्रसाद शर्मा, रंजनकृष्ण अर्याल, मोहनकृष्ण सापकोटा, नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के पूर्व महानिदेशक त्रिरत्न मानन्धर और रतीश चन्द्रलाल सुमन, पूर्व बोर्ड सदस्य, परामर्शदाता डा. रामकृष्ण तिमिल्सिना, प्रा. डा. रविन्द्रनाथ श्रेष्ठ तथा अनेक वरिष्ठ अधिकारियों को भी प्रतिवादी सूची में शामिल किया गया है। ब्यूरो के अनुसार पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निर्माण के लिए स्वीकृत परियोजना की लागत 169.697 मिलियन अमेरिकी डॉलर (वैट व आकस्मिक व्यय सहित) से बढ़ाकर अवैध रूप से 244.04 मिलियन अमेरिकी डॉलर कर दी गई थी। नेपाल के सार्वजनिक खरीद ऐन और नियमावली का उल्लंघन करते हुए तकनीकी और वित्तीय रूप से अयोग्य चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग को ठेका प्रदान किया गया। लागत अनुमान बढ़ाने के लिए अनधिकृत 'वार्ता प्रक्रिया' अपनाई गई। इससे कुल 74.34 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 837 करोड़ रुपये) की क्षति पहुंची।

आयोग ने भ्रष्टाचार निवारण एक्ट 2059 की धारा 8(1) के तहत कैद, दावे की बराबर जुर्माना राशि और अतिरिक्त दंड की मांग की है। साथ ही चीनी कम्पनी व उसके अधिकारियों को भी समान रूप से सह अपराधी के रूप में दंडित करने की याचना की गई है।पोखरा अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल का निर्माण कार्य 2016 में शुरू हुआ था और दिसम्बर 2022 में उद्घाटन हुआ, लेकिन अब तक यह पूर्ण रूप से संचालन में नहीं आ पाया है। इस मामले को नेपाल में पिछले एक दशक के सबसे बड़े भ्रष्टाचार मामलों में से एक माना जा रहा है।

नेपाली कांग्रेस ने संसद भंग करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

एजेंसी

काठमांडू। देश की सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस ने भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाकर 12 सितंबर को संसद भंग करने के फैसले को चुनौती दी है। नेपाली कांग्रेस के मुख्य सचेतक श्याम घिमिरे, ने यह रिट दायर की है। उन्होंने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि प्रतिनिधि सभा का विघटन असंवैधानिक है। उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अटॉर्नी जनरल खम्म बहादुर खाती को अपना कानूनी प्रतिनिधि नियुक्त किया है। पार्टी की ओर से घिमिरे ने पार्टी की निर्वाचन समिति के संयोजक खाती को अदालत में मुद्दा आगे बढ़ाने का अधिकार दिया है। यह कदम उस बैठक के तुरंत बाद उठाया गया है, जो नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओली के बीच हुई थी। बैठक के बाद कांग्रेस भी सुप्रीम कोर्ट गई, जिसे एमाले के मार्ग का अनुसरण माना जा रहा है। मुख्य सचेतक घिमिरे, सचेतक सुशीला थिङ तथा आठ अन्य सांसद इस मामले में याचिकाकर्ता के रूप में सूचीबद्ध हैं। याचिका सोमवार को औपचारिक रूप से दर्ज की जाएगी। इससे पहले नेपाली कांग्रेस ने प्रतिनिधि सभा की पुनर्स्थापना की मांग करते हुए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया था। एमाले के बाद नेपाली कांग्रेस दूसरी पार्टी है जिसने संसद पुनर्स्थापना के लिए अदालत में रिट दायर की है।

हमास-इजराइल संघर्ष विराम : शवों की अदला-बदली पर टिका दूसरे चरण का रास्ता

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल और हमास बहुत जल्द संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण में प्रवेश करेंगे। उन्होंने बताया कि यह चरण तब शुरू होगा जब हमास गाजा में मौजूद अंतिम इजराइली बंधक के अवशेषों को इजराइल को सौंप देगा।

जर्मन चांसलर फ्रेड्रिक मर्ज के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेतन्याहू ने कहा कि संघर्ष विराम का अगला चरण, जिसमें गाजा का निरस्त्रीकरण और हमास की सैन्य क्षमता समाप्त करना शामिल है, महीने के अंत तक शुरू हो सकता है। हमास के पास अब भी इजराइली पुलिसकर्मी रान ग्विली (24) के अवशेष हैं, जो 07 अक्टूबर 2023 के हमले में मारे गए थे। उनके अवशेषों की वापसी और इसके बदले इजराइल द्वारा 15 फिलिस्तीनियों के शवों की वापसी के साथ संघर्ष विराम योजना के पहले चरण का समापन माना जाएगा। हालांकि हमास का दावा है कि दो वर्ष की इजराइली सैन्य कार्रवाई के बाद मलबे में दबे शवों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है।

इजराइल ने संगठन पर जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि सभी अवशेष जल्द नहीं लौटाए गए, तो वह सैन्य अभियान दोबारा शुरू कर सकता है या मानवीय सहायता सीमित कर सकता है। बंधक परिवारों के एक समूह ने भी बयान जारी कर कहा कि 'जब तक रान ग्विली के अवशेष नहीं लौटते, अगला चरण शुरू नहीं हो सकता। ' संघर्ष विराम के दूसरे चरण के तहत गाजा में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की तैनाती और एक अस्थायी फिलिस्तीनी प्रशासन का गठन शामिल है, जिसे अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय बोर्ड देखरेख करेगा। नेतन्याहू ने स्वीकार किया कि यह चरण कठिन होगा, और आगे बताया कि तीसरे चरण में गाजा को चरमपंथ से मुक्त करने की योजना है। 'जर्मनी, जापान और खाड़ी देशों में यह संभव हुआ था, गाजा में भी हो सकता है—बशर्ते हमास को पूरी तरह समाप्त किया जाए,' उन्होंने कहा।

चांसलर मर्ज ने बताया कि जर्मनी, इजराइल के सबसे करीबी साझेदारों में से एक होने के नाते, दूसरे चरण को लागू करने में सहयोग कर रहा है और दक्षिणी इजराइल में अमेरिकी नेतृत्व वाले समन्वय केंद्र में अपने अधिकारी भेज चुका है, साथ ही ग़ज़ा को मानवीय सहायता भी उपलब्ध करा रहा है।

गाजा संघर्षविराम में नई संभावनाएं, हमास ने हथियार नियंत्रण पर दिखाई सहमति

एजेंसी

दोहा (कतर)। इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्षविराम समझौते के अगले और सबसे जटिल चरण से पहले हमास ने एक बड़ा संकेत दिया है। संगठन के वरिष्ठ नेता बासिम नाइम ने कहा है कि हमास अपनी हथियार प्रणाली को 'फ्रीज या स्टोर' करने पर बातचीत के लिए तैयार है, बशर्ते यह कदम व्यापक समाधान प्रक्रिया का हिस्सा हो। नाइम, जो हमास की राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य हैं, ने दोहा में कहा कि संगठन किसी भी ऐसे प्रस्ताव पर चर्चा को तैयार है जिससे भविष्य में टकराव की आशंका कम हो सके। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों पक्ष संघर्षविराम के दूसरे चरण की तैयारी में जुटे हैं।

पिछले दो वर्षों से जारी इजराइली सैन्य कार्रवाई और 07 अक्टूबर 2023 के हमले की पृष्ठभूमि में बने इस ढूसे के बाद अब तक कई इजराइली बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की अदला-बदली हो चुकी है। आगे का चरण गाजा में भविष्य की राजनीतिक व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की

तैनाती, तकनीकी प्रशासनिक समिति के गठन, इजराइली सेना की वापसी और हमास के निरस्त्रीकरण जैसी संवेदनशील विषयों पर केंद्रित है। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी एक अंतरराष्ट्रीय बोर्ड करेगा।

इजराइल की मुख्य शर्त हमास का पूर्ण निरस्त्रीकरण है, जिसे संगठन ने अब तक ठुकराया है। हालांकि नाइम ने संकेत दिया कि हमास दीर्घकालिक युद्धविराम 5 से 10 वर्ष के ढांचे में हथियारों को निष्क्रिय अवस्था में रखने पर चर्चा कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस अवधि में हथियारों का इस्तेमाल नहीं होगा और फ़िलिस्तीनी निगरानी में इन्हें सुरक्षित रखा जा सकता है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह प्रस्ताव इजराइल की पूर्ण निरस्त्रीकरण वाली मांग को कितना संतुष्ट करेगा, लेकिन हमास के इस नए रुख को वार्ता प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी कांग्रेस ने रक्षा बजट विधेयक का अंतिम मसौदा किया पेश

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने वित्त वर्ष 2026 के नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट (एनडीएए) का समझौता मसौदा जारी किया। जिससे इस सप्ताह होने वाले महत्वपूर्ण वोट का रास्ता साफ हो गया है। यह वार्षिक विधेयक पिछले छह दशकों से अमेरिकी रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का मजबूत आधार रहा है। जारी मसौदे के अनुसार, यह बिल पेंटागन और ऊर्जा विभाग के परमाणु हथियार कार्यक्रमों के लिए 890 अरब डॉलर से अधिक की मंजूरी देगा। यह राशि ट्रंप प्रशासन की मांग से लगभग 8 अरब डॉलर ज्यादा है। विधेयक को तेजी से पारित कराने के लिए इसे एक असंबंधित सीनेट बिल एस.1071 में समाहित किया गया है, जिसे विधायी माध्यम के रूप में चुना गया है। कांग्रेस की परंपरा रही है कि चाहे राजनीतिक मतभेद कितने भी हों, एनडीएए हर साल पारित किया जाता है। पिछले 64 वर्षों में यह विधेयक एक बार भी नहीं रुका और दोनों दल अक्सर इसे अमेरिकी रक्षा नीति पर व्यापक सहमति का प्रतीक बताते हैं। इस बार भी कई दौर की तीखी बातचीत और संशोधनों के बाद जारी हुआ अंतिम मसौदा विधायी प्रक्रिया के अंतिम

चरण की शुरुआत माना जा रहा है। वित्त वर्ष 2026 के लिए प्रस्तावित बजट में प्रशासन के औपचारिक अनुरोध की तुलना में थोड़ी वृद्धि की गई है, जिससे संकेत मिलता है कि कांग्रेस कुछ प्रमुख आधुनिकीकरण कार्यक्रमों में तेजी लाना चाहती है। यह बढ़ोतरी अमेरिकी सैन्य तैयारियों (चाहे वह पारंपरिक हथियार हों या दीर्घकालिक परमाणु क्षमता) को मजबूत करने के मकसद से की जा रही है। एनडीएए सिर्फ बजट नहीं, बल्कि एक व्यापक नीति पैकेज भी है। इसमें पेंटागन की सालाना योजनाएं, ऊर्जा विभाग की परमाणु गतिविधियां, सैन्य कर्मियों की स्वीकृत संख्या, खुफिया तंत्र से जुड़े प्रावधान और विभिन्न नीति निर्देश शामिल हैं। दर्जनों रिपोर्ट और रणनीतिक निर्देश इस विधेयक के अलग-अलग हिस्सों में छिपे रहते हैं, जिन्हें आने वाले महीनों में लागू किया जाएगा। विधेयक को पास कराने की प्रक्रिया भी दिलचस्प है। एस.1071 जैसे गैर-संबंधित बिल में पूरे एनडीएए को सम्मिलित करना हाल के वर्षों में आम रणनीति बन गई है, क्योंकि इससे हाउस और सीनेट दोनों में तेजी से मतदान कराया जा सकता है। उम्मीद है कि इस सप्ताह हाउस में होने वाला मतदान इस समझौता पैकेज की पहली बड़ी परीक्षा होगा। इसके बाद सीनेट भी जल्द ही मतदान कर सकता है, जिससे एनडीएए की लगातार 65वीं बार पारित होने की परंपरा कायम रहने की संभावना है। अमेरिकी रणनीति के लिहाज से यह कानून सिर्फ देश के भीतर की सैन्य नीतियों को प्रभावित नहीं करता, बल्कि एशिया प्रशांत क्षेत्र, खासकर भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग पर भी सीधा असर डालता है। इसमें सैन्य ढांचा, संयुक्त सैन्य अभ्यास, तकनीकी सहयोग और सुरक्षा-सहायता कार्यक्रमों से जुड़े प्रावधान शामिल हैं, जो दोनों देशों के संबंधों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एनडीएए एक बार लागू हो जाने के बाद, वित्त वर्ष 2026 का एनडीएए अमेरिका को अपने इंडो-पैसिफिक रणनीतिक ढांचे को आगे बढ़ाने के लिए नए कानूनी अधिकार और दिशा देगा।

माफी मिली तो भी राजनीति नहीं छोड़ूंगा : नेतन्याहू

एजेंसी

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कर दिया है कि यदि उन्हें जारी भ्रष्टाचार मामले में राष्ट्रपति से माफी मिल भी जाए, तब भी वे राजनीतिक जीवन से संन्यास नहीं लेंगे। मीडिया से बातचीत में जब उनसे पूछा गया कि क्या माफी मिलने पर वे राजनीति छोड़ने पर विचार करेंगे, तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब दिया- 'नहीं '।

नेतन्याहू लंबे समय से रिश्वत, धोखाधड़ी और विश्वासघात से जुड़े आरोपों का सामना कर रहे हैं। उनका दावा है कि वे निर्दोष हैं और अगर मुकदमा पूरा हुआ तो उन्हें बरी कर दिया जाएगा। हाल ही में उन्होंने राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग से आधिकारिक रूप से माफी का अनुरोध किया था। उनके वकीलों का तर्क है कि बार-बार की अदालत पेशियों से सरकारी कामकाज प्रभावित हो रहा है। हालांकि इजराइल में आमतौर पर माफी केवल तब दी जाती है जब मामला पूरी तरह निपट चुका हो और सजा तय हो गई हो - इसलिए बीच मुकदमे में माफी की मांग को लेकर राजनीतिक हलचलों का दौर तेज है। इसी बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हर्जोग को पत्र लिखकर नेतन्याहू को माफी देने पर विचार करने की अपील की है। विपक्ष के कुछ नेताओं का कहना है कि यदि माफी दी जाती है, तो इसकी शर्तों में नेतन्याहू का राजनीति से संन्यास या फिर समय से पहले चुनाव कराना शामिल होना चाहिए। फिलहाल इजराइल में चुनाव 2026 के अंत तक निर्धारित हैं।

बांग्लादेश चुनाव: गाजीपुर नॉमिनेशन को लेकर आपस में भिड़े बीएनपी के लोग, झड़प में 10 घायल

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में यूनुस की अंतरिम सरकार में अराजकता की स्थिति बनी हुई है। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल भी काफी देखने को मिल रही है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अंदर अंदरूनी झगड़े का एक नजारा फिर से दिखा। दरअसल, गाजीपुर जिले में एक चुनाव क्षेत्र के लिए पार्टी के नॉमिनेशन को लेकर बीएनपी के दो गुटों के बीच झड़प हो गई। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार इस झड़प में कम से कम दस लोग घायल हो गए। रविवार शाम कालियाकैर उपजिला में गाजीपुर-1 सीट को लेकर बीएनपी उम्मीदवार तथा कालियाकैर नगरपालिका के पूर्व मेयर मुजीबुर रहमान के समर्थकों और पार्टी की पूर्व स्थायी समिति के सदस्य चौधरी तनवीर अहमद सिद्दीकी के पुत्र इशराक सिद्दीकी के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। इशराक को पार्टी की ओर से नॉमिनेशन नहीं दिया गया था, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

रिपोर्ट्स के अनुसार इस झड़प की वजह से पार्टी को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। पार्टी के कई चुनावी कैंपेन दफ्तर और गाड़ियों में तोड़फोड़ और आग लगा दी गई।

इस बात की पुष्टि करते हुए, गाजीपुर के एडिशनल सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (क्राइम) ने कहा, 'बीएनपी के दो गुटों में हमले और आगजनी हुई। दोनों पक्षों से बातचीत के बाद शांति बनाए रखने की कोशिशें चल रही हैं। '

स्थानीय सूत्रों के हवाले से, बांग्लादेशी अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड ने बताया कि इशराक सिद्दीकी के समर्थकों ने रविवार दोपहर कालियाकैर उपजिला के राखालियाचला इलाके में एक विरोध रैली की। रैली के दौरान जैसे ही समर्थकों का जमावड़ा होना शुरू हुआ, बीएनपी उम्मीदवार मुजीबुर रहमान के कथित 20-25 लोगों का एक समूह मोटरसाइकिल पर आया और हमला कर दिया। इस घटना में कम से कम 10 लोग घायल हो गए।

घायलों को बाद में शहीद ताजुद्दीन अहमद मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इशराक सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि नॉमिनेशन के फैसले से नाराज नेताओं के गुस्से को दबाने के लिए इस तरह से जानबूझकर हमला किया गया। उन्होंने कहा, 'इस सीट को जिस तरह से हैंडल किया गया, उससे बहुत ज्यादा गुस्सा है। हम शांतिपूर्ण विरोध कर रहे थे, फिर भी मुजीबुर रहमान के लोगों ने हम पर हमला कर दिया। कुछ को बिना वजह हिरासत में भी लिया गया। अब पूरे इलाके में डर फैल गया है। '

बता दें, बीते दिन बांग्लादेशी मीडिया ने जानकारी दी कि चुनाव आयोग इस हफ्ते किसी भी दिन आम चुनाव और जनमत संग्रह की तारीख की घोषणा कर सकता है।

नाइजीरिया की सुरक्षा चुनौती गंभीर, फ्रांस से मदद की गुहार

एजेंसी

लागोस। नाइजीरिया के उत्तरी इलाकों में लगातार बढ़ रही हिंसा और आतंकी गतिविधियों के बीच देश के राष्ट्रपति बोला टिनूबू ने फ्रांस से अतिरिक्त सहयोग मांगा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बताया कि उन्होंने टिनूबू से फोन पर बातचीत की, जिसमें नाइजीरिया की सुरक्षा चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मैक्रों ने कहा कि नाइजीरिया इस समय कई मोर्चों पर मुश्किल मुकाबला झेल रहा है, उत्तरी क्षेत्रों में आतंकवादी खतरा, उत्तर-पश्चिम में हथियारबंद गिरोहों की अपहरण वारदातें और मध्य क्षेत्रों में चरवाहों तथा किसानों के बीच हिंसक झड़पें। उन्होंने कहा कि फ्रांस प्रभावित क्षेत्रों और वहां की आबादी की सहायता के लिए अपनी साझेदारी मजबूत करेगा।

हाल के हफ्तों में उत्तरी नाइजीरिया में हमलों और सामूहिक अपहरणों में तेजी आई है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता बढ़ी है। अमेरिका ने भी हाल में नाइजीरिया में ईसाई समुदायों की सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाने की चेतावनी दी थी। हालांकि नाइजीरिया सरकार का कहना है कि सुरक्षा स्थिति जटिल है और विभिन्न समूह अलग-अलग समुदायों को निशाना बनाते

हैं।मैक्रों ने अपनी टिप्पणी में कहा कि फ्रांस अब प्रत्यक्ष सैन्य तैनाती के बजाय प्रशिक्षण, खुफिया सहयोग और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप सहायता प्रदान करने पर ध्यान देगा। नाइजीरिया ने स्पष्ट किया है कि वह बाहरी मदद का स्वागत करता है, बशर्ते उसकी संप्रभुता का सम्मान किया जाए।

ग्रीस में प्रवासियों से भरी नाव डूबी, 17 की मौत, दो को बचा लिया गया

एजेंसी

एथेंस (ग्रीस)। ग्रीस में शाम प्रवासियों की एक नाव के डूब जाने से 17 लोगों की मौत हो गई। राहत और बचाव कर्मचारियों के अनुसार दो लोगों को बचा लिया गया है। फिलहाल उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रीस के कोस्ट गार्ड ने इसकी पुष्टि की है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार ग्रीस के समुद्री मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों को इस नाव दुर्घटना की सबसे पहली जानकारी तुर्किये के मालवाहक जहाज से पता चली। यह जहाज क्रीट के दक्षिण-पश्चिमी तट से लगभग 30 नॉटिकल मील दूर था, जब कर्मचारियों ने लोगों से भरी एक आधी डूबी हुई नाव देखी। कोस्ट गार्ड की शुरुआती घोषणा में कहा गया था कि 18 शव बरामद किए गए हैं। बाद में अधिकारियों को जीवित बचे दो लोगों ने बताया कि नाव में उन समेत कुछ 17 लोग थे। सनद रहे जून 2023 में दक्षिणी ग्रीस के पास एक मछली पकड़ने वाली नाव एड्रियाना के डूबने से सैकड़ों लोग मारे गए थे।

टूट गया ट्रंप का कराया सीजफायर, थाईलैंड और कंबोडिया भिड़े; सीमा पर भीषण एयरस्ट्राइक

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच दक्षिण कोरिया में 26 अक्टूबर 2025 को सीजफायर समझौता करवाया था, जो फिर से टूट गया है। थाईलैंड ने कंबोडिया पर भीषण एयरस्ट्राइक कर दी है। एयरस्ट्राइक के बाद दोनों देश एक-दूसरे पर हमला करने का आरोप लगा रहे हैं। थाईलैंड ने सोमवार को कंबोडिया के खिलाफ एयरस्ट्राइक शुरू कर दी, जिसके बाद दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसियों के बीच युद्ध की एक नई दौड़ शुरू हो गई है। वहीं, दोनों पक्षों की तरफ से एक-दूसरे पर आरोप लगाया जा रहा है। थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विन्थाई सुवारी ने कहा कि एयरस्ट्राइक कंबोडियाई मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर किए गए थे। इसके साथ ही थाई सेना के प्रवक्ता ने ये भी आरोप लगाया कि कंबोडिया ने पहले थाईलैंड पर हमला किया था, जिसमें उसके सैनिक (थाईलैंड के) मारे गए। सुवारी ने कहा, 'निशाना चोंग एन मा पास के इलाके में कंबोडिया की हथियार सपोर्टिंग जगहों पर था,

क्योंकि उन टारगेट ने अनुपोंग बेस पर थाई की तरफ हमला करने के लिए आर्टिलरी और मोर्टार लॉन्चर का इस्तेमाल किया था। इसकी वजह से एक सैनिक मारा गया। इस हमले में सात लोग घायल हो गए। '

थाई आर्मी ने एक बयान में कहा कि कंबोडिया ने सोमवार को वहां के स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 3 बजे थाई सीमा को टारगेट करना शुरू किया। रॉयल थाई एयर फोर्स (आरटीएएफ) ने कहा, 'कंबोडिया ने भारी हथियार जमा किए थे, लड़ाकू यूनिट्स को दूसरी जगह भेजा था और फायर-सपोर्ट एलिमेंट तैयार किए थे; ये ऐसी गतिविधियां हैं जो सैन्य ऑपरेशन को बढ़ा सकती हैं और थाईलैंड के सीमा वाले इलाके के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। '

वहीं दूसरी ओर कंबोडिया के रक्षा मंत्री ने आरटीएएफ के आरोपों को खारिज करते हुए इसे गलत जानकारी बताया और कहा, 'पिछले सभी समझौतों का सम्मान करने और अंतर्राष्ट्रीय कानून के मुताबिक शांति से झगड़ों को सुलझाने की भावना पर कायम रहते हुए, कंबोडिया ने दोनों हमलों के दौरान कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की और स्थिति पर पूरी सतर्कता और सावधानी से नजर रख रहा है। '

एक अलग बयान में, कंबोडियाई सेना ने थाईलैंड की सेना पर वहां के स्थानीय समय के हिसाब से सुबह करीब 5.04 बजे 'कंबोडियन सेना पर हमला' करने का आरोप लगाया और कहा, 'यह ध्यान देने वाली बात है कि यह हमला तब हुआ जब थाई सेना कई दिनों तक अनेकों उकसाने वाली कार्रवाइयां कर रही थी।' वहीं थाईलैंड की सेना ने कहा कि बॉर्डर के शहरों से लगभग 70 फीसदी थाई नागरिकों को निकाल लिया गया है।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/9/2025 12:31 AM Page 2

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मिला शहीद किसान बाबा जित्तो संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल

जम्मू, 8 दिसंबर (हि.स.)। शहीद किसान बाबा जित्तो संघर्ष समिति का एक प्रतिनिधिमंडल जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मिला और 15वीं सदी के किसान नेता बाबा जित्तो की विरासत, मंदिर और ऐतिहासिक महत्व से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। प्रताप सिंह जम्वाल के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल को अपनी मुख्य मांगों का एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा और आभार व्यक्त करते हुए उन्हें बाबा जित्तो की तस्वीर भेंट की।

ज्ञापन में कहा गया कि बाबा जित्तो हाशिए पर पड़े किसानों के अधिकारों की लड़ाई के प्रतीक रहे हैं और जम्मू के इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनके सर्वोच्च बलिदान से यह स्पष्ट होता है कि अतीत में किसानों को कितनी कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता था। समिति ने अफसोस जताया कि इतने महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद अब तक उनके नाम पर कोई बड़ी संस्था नहीं है, जबकि स्थानीय नायकों के सम्मान में संस्थानों के नाम रखने की परंपरा बढ़ रही है।

प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू के कृषि विश्वविद्यालय का नाम बाबा जित्तो के नाम पर रखने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इससे न केवल किसानों के प्रतिनिधि इस महान व्यक्तित्व को सम्मान मिलेगा, बल्कि कृषि से जुड़े छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी। साथ ही, उन्होंने सुझाव दिया कि बाबा जित्तो के इतिहास और संघर्ष को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए ताकि नई पीढ़ी उनके जीवन मूल्यों से परिचित हो सके।

ज्ञापन में झिडी क्षेत्र में स्थित बान गंगा नामक पारंपरिक नहर का मुद्दा भी उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि स्थानीय प्रशासन के साथ चर्चा के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि उपराज्यपाल के हस्तक्षेप से नहर को पुनर्जीवित किया जा सकता है और प्रदूषण रोकने के लिए नजदीक ही एक तालाब विकसित किया जा सकता है। इसके अलावा, झिडी स्कूल के नाम से जित्तो शब्द हटाए जाने पर भी समिति ने नाराज़गी जताई और इसे पुनः बहाल करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बाबा जित्तो के नाम पर बना विश्राम स्थल, जो मेलों के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए बनाया गया था, अब अन्य प्रयोगों में लाया जा रहा है। उन्होंने वहां एक बेहतर विश्राम क्षेत्र, पार्क और फव्वारा विकसित करने का सुझाव दिया, जिससे सालभर आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधाएं मिल सकें।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने समिति की सभी चिंताओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों पर सकारात्मक विचार किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में अरुण सीके, रवि तंगोत्रा, भानु प्रताप गोरिया और दिनेश वर्मा राजा डीसी भी शामिल थे

चंद्रभागा (चिनाब) के विकास की कहानी और उसका पर्यावरण व मानव मूल्य

अमीर इक़बाल ख़ान
भद्रवाह, 08 दिसंबर

चिनाब नदी इस पूरे अंचल की सबसे विशाल और जीवनदायिनी धारा मानी जाती है। इसका नाम ही प्राचीन भाषाओं, लोककथाओं और इतिहास का संगम है। माना जाता है कि 'चिनाब' शब्द चीन से बहने वाला जल का द्योतक है, जो फ़ारसी मूल के दो शब्दों—'चन' (चंद्रमा) और 'आब' (नदी)—से मिलकर बना है। वैदिक काल में इसे 'असिकिनी' के नाम से जाना गया, जबकि किश्तवाड़ क्षेत्र में यह आज भी 'चंद्रभागा' के रूप में आदरपूर्वक पुकारी जाती है। इस महान नदी का उद्गम हिमालय की ऊँचाइयों में, हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति क्षेत्र में स्थित बारा लाछा दर्रे के पार लगभग 5,100 मीटर की ऊँचाई पर माना जाता है।

हिमनदों से जन्म लेने वाली दो धाराएँ—चंद्रा और भागा—अलग-अलग बहते हुए क्रमशः 88 और 104 किलोमीटर की यात्रा के बाद टांडी के निकट मिलती हैं और चंद्रभागा का रूप लेती हैं। पांगी घाटी के दुर्गम भू-भागों को पार करती हुई यह नदी किश्तवाड़ ज़िले के पड्डर क्षेत्र के संसारी से जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करती है। यहाँ से यह लगभग 6,000 फुट की ऊँचाई तक उतरते हुए पड्डर, किश्तवाड़, डोडा, रामबन और अखनूर क्षेत्रों से गुजरती है, फिर पाकिस्तान में प्रवेश कर झेलम व सिंध नदियों के साथ मिल जाती है। बारा लाछा से अखनूर तक चिनाब की कुल यात्रा लगभग 611 किलोमीटर की है, जो इसे पूर्ववर्ती डोडा, रियासी और जम्मू अंचल की सबसे महत्त्वपूर्ण नदी बनाती है।

अपने प्रवाह में चिनाब को कई सहायक नदियाँ और नाले पोषित करते हैं, जिनमें गुलाबगढ़ (पड्डर) का भोटना नाला, किश्तवाड़ के भंडारकोट में मारी-सुधीर, ठाठरी में कलनई, डोडा में नीहरू तथा रियासी के अरनास क्षेत्र में अंस प्रमुख हैं। सिंचाई के लिए इस नदी से निकाली गई एकमात्र प्रमुख नहर ऐतिहासिक रणबीर नहर है, जो जम्मू, कठुआ और सांबा ज़िलों की उपजाऊ भूमि को जीवन देती है। मारी-सुधीर अथवा मरवाह नदी, जो सागा हिमनद से निकलती है, किश्तवाड़ की दूसरी बड़ी नदी मानी जाती है और वारवान, मरवाह, डाछन व पालमार होते हुए चंद्रभागा में समाहित हो जाती है।

तेज़ बहाव के कारण किश्तवाड़ ज़िले में चिनाब से आज तक कोई नहर नहीं निकल सकी है। विडंबना यह है कि नदी के किनारे बसे खेत इसकी एक-एक बूँद को तरसते हैं। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी चिनाब का स्थान विशिष्ट है। सोहनी-माहीवाल की अमर प्रेमगाथा से लेकर सिकंदर महान के अभियान को रोकने की किंवदंती तक, इस नदी का नाम अनेक कथाओं से जुड़ा है। 'चंद्रभागा' को यूनानी इतिहास में 'सैंड्रोफेगस' कहा गया, जिसे सिकंदर का विनाशक माना गया और इसी अपशकुन के भय से यूनानियों ने आगे बढ़ने का विचार त्याग दिया।

किश्तवाड़ क्षेत्र में जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएँ हैं। चंद्रभागा और इसकी सहायक नदियों

में लगभग 20,000 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता आँकी गई है, किंतु वास्तविकता में आज केवल दुल-हस्ती (390 मेगावाट), बगलीहार-1 (450 मेगावाट) और सलाल-1 व 2 (690 मेगावाट)—कुल 1,530 मेगावाट—की ही परियोजनाएँ संचालित हैं।

धार्मिक दृष्टि से भी चंद्रभागा का महत्व अतुलनीय है। टांडी में चंद्रा-भागा संगम को बौद्ध और हिंदू समान रूप से पवित्र मानते हैं। अस्थि-विसर्जन और अंतिम संस्कार जैसे संस्कार यहाँ संपन्न होते हैं। ऋग्वेद, अथर्ववेद और महाभारत में भी इस नदी का उल्लेख मिलता है। टांडी और भंडारकोट जैसे संगम स्थलों पर विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ पूजा-अर्चना करते हैं, जो सांप्रदायिक सौहार्द का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करता है। लेकिन समय के साथ विकास के नाम पर चिनाब पर भारी दबाव डाला गया है। पड्डर से रियासी तक बाँधों, जलविद्युत परियोजनाओं और सड़क निर्माण के लिए पहाड़ों की अंधाधुंध ब्लास्टिंग ने इस क्षेत्र के पर्यावरण संतुलन को गंभीर खतरे में डाल दिया है। भू-वैज्ञानिकों के अनुसार लगातार विस्फोट, नदी के प्रवाह में कृत्रिम बदलाव और निर्माण गतिविधियाँ भूस्खलन, भूकंपीय गतिविधि और आपदाओं की आशंका को बढ़ा रही हैं। प्रसिद्ध भू-वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह पूरा क्षेत्र एक भू-वैज्ञानिक संकट की ओर बढ़ रहा है।

पर्यावरणीय क्षति के साथ-साथ मानवीय त्रासदी भी कम गंभीर नहीं है। चिनाब पर बनी परियोजनाओं के कारण सैकड़ों वर्षों से नदी किनारे बसे लोग अपने पुश्तैनी घर-बार छोड़ने को मजबूर हुए हैं। सलाल, अरनास, धर्मकुंड और रामबन के निचले इलाकों की बस्तियाँ या तो जलमग्न हो गईं या अपनी पहचान खो बैठीं। डोडा का पुल डोडा, जो कभी व्यापार और परिवहन का केंद्र था, आज विस्थापन की मार से वीरान-सा हो गया है। विस्थापित परिवार जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में बिखर गए हैं। आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग आज भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन यापन कर रहा है, जबकि कुछ लोगों ने भारी संघर्ष के बाद नए ठिकाने बनाए। इन परियोजनाओं ने समुदायों को तोड़ा, लोगों को उनकी ज़मीन से अलग किया और विकास के साथ एक गहरी सामाजिक दरार भी छोड़ दी है। चिनाब की कथा आज एक चेतावनी बन चुकी है—कि प्रकृति के प्रवाह को जबरन बाँधने की कीमत केवल पर्यावरण ही नहीं, इंसान को भी चुकानी पड़ती है। यदि वैज्ञानिक विवेक और संतुलन नहीं अपनाया गया, तो यह महान नदी भविष्य की पीढ़ियों के लिए जीवनदायिनी नहीं, बल्कि विकास की त्रासदी की प्रतीक बनकर रह जाएगी।

अमरनाथ जी यात्रा-2025 के दौरान लगाए गए नो फ्लाइंग ज़ोन प्रतिबंधों के उल्लंघन से जुड़े एक संवेदनशील सुरक्षा मामले में मिली बड़ी सफलता

श्रीनगर, 08 दिसंबर (हि.स.)। गांदरबल में जम्मू और कश्मीर पुलिस को अमरनाथ जी यात्रा-2025 के दौरान लगाए गए नो फ्लाइंग ज़ोन प्रतिबंधों के उल्लंघन से जुड़े एक संवेदनशील सुरक्षा मामले में बड़ी सफलता मिली।

एक अधिकारी ने कहा कि नोटिफाइड प्रतिबंधित क्षेत्र के ऊपर अवैध रूप से चलाए जा रहे एक ड्रोन को सुरक्षा बलों ने यात्रा के लिए किसी भी संभावित खतरे को टालने के लिए सॉफ्ट-किल तरीकों का इस्तेमाल करके गिरा दिया। एमएचए गाइडलाइंस के अनुसार पूरे यात्रा कॉरिडोर को सख्ती से नो ड्रोन ज़ोन घोषित किया गया था जिसमें तीर्थयात्रियों की फुलप्रूफ सुरक्षा और यात्रा के शांतिपूर्ण समापन को सुनिश्चित करने के लिए किसी भी मानव रहित हवाई हमले पर रोक रोक लगाई गई थी।

घटना के बाद पुलिस स्टेशन गुंड में एफआईआर नंबर 26/2025, यू/एस 223 बीएनएस रजिस्टर किया गया और जांच शुरू की गई। इसके अलावा एसएसपी गांदरबल के निर्देश पर टेक्निकल एक्सपर्ट्स की एक टीम ने ज़ब्त किए गए ड्रोन की डिटेल्ड फोरेंसिक जांच की ताकि ऑपरेशनल डेटा निकाला जा सके और नो फ्लाई ज़ोन में ड्रोन का इस्तेमाल करने वाले ऑपरेटरों की पहचान की जा सके।

एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर गांदरबल पुलिस आरोपियों की पहचान करने में सफल रही जिनके नाम हैं ओवैस मुनीर खान बेटा मुनीर अहमद खान निवासी सनत नगर श्रीनगर और फारूज अहमद नेंगरू बेटा अब्दुल रशीद नेंगरू निवासी मुनवर-अबाद खानयार, श्रीनगर जो बिना किसी परमिशन के प्रतिबंधित ज़ोन में ड्रोन उड़ाने के लिए ज़िम्मेदार थे। अधिकारी ने कहा कि दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया है और माननीय कोर्ट के सामने पेश किया गया है और मामले में चार्जशीट दायर की गई है।

एआईसीटीई मुख्यालय से हुआ स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 का देशभर में आगाज

– 60 नोडल केन्द्रों पर एक साथ कार्यक्रम शुरू
– 2,993 महिला फाइनलिस्ट, जिनमें 53 पूरी तरह महिला टीम शामिल
– पूरे देश से 68,766 छात्र टीमों ने भेजे 72,165 नवाचार विचार

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर 2025

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और शिक्षा मंत्रालय की नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) द्वारा स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2025 के आठवें संस्करण के ग्रैंड फिनाले का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ आज एआईसीटीई मुख्यालय, नई दिल्ली से किया गया। यह छात्र-केन्द्रित देश का सबसे बड़ा नवाचार महोत्सव है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय महत्व की वास्तविक समस्याओं के लिए तकनीकी समाधान विकसित करना है।

कार्यक्रम का उद्घाटन एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी. जी. सीताराम ने किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ. अभय जेरे, सदस्य सचिव डॉ. श्यामा रथ, एसबीआई फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक श्री स्वपन धर, टीसीएस के हेड एकेडेमिक एलायंस डॉ. सुचेंद्र और आई4सी के सचिव डॉ. प्रताप सनप उपस्थित थे। इसके साथ ही 42 सॉफ्टवेयर और 18 हार्डवेयर नोडल केन्द्रों समेत कुल 60 केन्द्रों पर देश भर में एक साथ नवाचार मैराथन की शुरुआत हुई। यहाँ फाइनलिस्ट टीमें अगले दो दिनों तक लगातार कोडिंग और प्रोटोटाइप निर्माण में जुटेंगी।

अपने उद्घाटन संबोधन में प्रो. टी.जी. सीताराम ने कहा कि भारत 'विकसित भारत 2047' की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है और नवाचार इसका प्रमुख आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि एसआईएच युवा नवाचारकर्ताओं की रचनात्मकता, प्रतिबद्धता और आकांक्षाओं का प्रतीक है, जो आत्मनिर्भर भारत को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने 36 घंटे चलने वाले हैकाथॉन के प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

इस दौरान डॉ. अभय जेरे ने बताया कि इस वर्ष दो लाख से अधिक मूल्यांकन किए गए, जो एसआईएच के बढ़ते पैमाने और प्रभाव को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस कार्यक्रम का अनुभव छात्रों के शैक्षणिक व व्यावसायिक जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाएगा।

सदस्य सचिव डॉ. श्यामा रथ ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि एसआईएच छात्रों को देश की समस्याओं के लिए प्रभावी तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए लगातार प्रेरित करता रहा है।

इस दौरान उद्योग जगत के साझेदार भी कार्यक्रम में जुड़े और प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया।

▶▶ एसबीआई फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक श्री स्वपन धर ने कहा कि नवाचार-आधारित समाधान विकसित कर एसआईएच सीधे तौर पर एक मजबूत और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देता है।

▶▶ टीसीएस के हेड-एकेडेमिक एलायंस डॉ. सुचेंद्र ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था नवाचार-केन्द्रित राष्ट्र निर्माण की ओर तेजी से परिवर्तित हो रही है।

▶▶ आई4सी के सचिव डॉ. प्रताप सनप ने उद्योग-शिक्षा सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया और एसआईएच को सच्ची टेक्निकल पैरेंटिंग पहल बताया।

इस वर्ष एसआईएच को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है, जिसने इसे देश की सबसे प्रभावशाली छात्र नवाचार पहल के रूप में और सुदृढ़ किया है। इस बार 58 केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों, 15 राज्य विभागों और 7 सार्वजनिक उपक्रमों एवं कॉर्पोरेट साझेदारों से कुल 271 प्रॉब्लम स्टेटमेंट प्राप्त हुए थे, जो राष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक प्रयास को दर्शाता है।

पूरे देश से 68,766 छात्र टीमों द्वारा 72,165 नवाचार आइडिया भेजे गए। बहु-स्तरीय कठोर मूल्यांकन के बाद 1,360 श्रेष्ठ टीमों का ग्रैंड फिनाले के लिए चयन किया गया। इनमें 201 शहरों और 727 संस्थानों के 8,160 छात्र शामिल हैं, जिन्हें 1,365 शैक्षणिक एवं औद्योगिक विशेषज्ञ मार्गदर्शन दे रहे हैं। विशेष रूप से, एसआईएच 2025 में महिलाओं की भागीदारी रिकॉर्ड स्तर पर रही। इस बार 2,993 महिला फाइनलिस्ट हैं जिनमें 53 पूर्णतः महिला टीम हैं।

इस वर्ष के प्राब्लम स्टेटमेंट रक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा, मेड-टेक, नवीकरणीय ऊर्जा, ड्रोन एवं रोबोटिक्स, स्मार्ट ऑटोमेशन, एग्री-टेक, स्मार्ट एजुकेशन सहित कई उभरते क्षेत्रों से संबंधित हैं, जो नवाचार-चालित विकास पर भारत के रणनीतिक फोकस को दर्शाते हैं।

पिछले आठ वर्षों में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन एक राष्ट्रीय नवाचार पाइपलाइन के रूप में विकसित हुआ है, जिसने उच्च शिक्षा प्रणाली को वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने में सक्षम बनाया है। मंत्रालयों, उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों की सक्रिय भागीदारी के साथ एसआईएच 2025 भारत को नवाचार-प्रधान राष्ट्र के रूप में नई ऊँचाई देने और अगले पीढ़ी के तकनीकी नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने की दिशा में और मजबूत कदम साबित होगा।

कृषकों के लिए आधुनिक कृषि

सी एम शर्मा

आधुनिक कृषि प्रणाली ने समूचे देश में अनाज के उत्पादन की वृद्धि में भारी योगदान दिया है। आधुनिक कृषि प्रणाली के प्रयोग से देश अनाज के उत्पादन में पर्याप्तता प्राप्त कर सकता है। कृषि कार्य में उपयोगी आधुनिक विधियाँ हैं- बेहतर बीजों का प्रयोग, उचित सिंचाई तथा रासायनिक खादों के प्रयोग से पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों की आपूर्ति व कीटनाशकों के प्रयोग से पौधों को लगने वाली बीमारियों व कीटाणुओं का नियंत्रण। आधुनिक कृषि में ट्रैक्टर, कम्बाइन हार्वेस्टर व सिंचाई के लिये ट्यूबवेलों द्वारा आधुनिक जोताई (खेती) की विधियों का प्रयोग किया है। उच्च उत्पादकता वाले बीजों के माध्यम से खाद्य-उत्पादन में भारी वृद्धि को हरित क्रांति कहा गया है। आधुनिक कृषि का मुख्य उद्देश्य अच्छी फसल के साथ-साथ वायु, जल, भूमि व मानवीय स्वास्थ्य का संरक्षण भी होना चाहिए।

▶▶ हरित क्रांति

'हरित क्रांति' शब्द का अर्थ है नए पौधों की किस्मों के विकास द्वारा उत्पादन को कई गुना बढ़ाने के उपाय। उच्च उत्पादन वाली varieties, HYVs) धान व गेहूँ की किस्में हरित क्रांति के मुख्य तत्व रहे हैं। मार्च 1968 में अमेरिकी अन्तरराष्ट्रीय विकास एजेंसी International Development, USAID) के संचालक विलियम गैंड ने पहली बार ''हरित क्रांति'' शब्दों का प्रयोग किया था। इस शब्द का प्रयोग नई तकनीकों द्वारा चावल, गैहूँ, मक्के और अन्य पौधों की कई गुना विकसित हुई उत्पादकता के संदर्भ में किया गया था। हालाँकि 'हरित क्रांति' नामक शब्दों का प्रयोग मुख्यत: गेहूँ और धान के संदर्भ में किया जाता है, परन्तु कुछ कृषि विशेषज्ञों ने मक्का, सोयाबीन व गन्ने जैसे उन अन्य अनाजों को भी इस श्रेणी में शामिल किया है, जिनके उत्पादन में, नई

▶▶ तकनीकों के प्रयोगों द्वारा, कई गुणा वृद्धि हुई है। जिनके द्वारा हरित क्रांति संभव हुई है, वे इस प्रकार है

– फसलों के उच्च उत्पादकता वाले पौधों का प्रवेशन ।

– बहु-कृषि (सम्मिलित रूप से पौधे उगाने की प्रक्रिया), बेहतर सिंचाई व

पर्याप्त मात्रा में खादों की आपूर्ति।

– बीमारियों व कीटाणुओं के विरुद्ध पौधों के संरक्षण की विधियों का प्रयोग।

– वैज्ञानिक कृषि की तकनीकों का अनुसंधान व उनका खेतों से ग्रामीण कृषकोंतक स्थानान्तरण।

– खेतों से बाजार तक फसल के यातायात की बेहतर व्यवस्था करना।

आधुनिक तकनीकों के प्रयोग द्वारा पौधों (विशेषकर अनाज) के उत्पादन में

महत्त्वपूर्ण वृद्धि को हरित क्रांति नाम दिया गया है।

उदाहरण के लिये, जब एक मेक्सिकन गेहूँ की किस्म (ऊँची उत्पादकता एवं अच्छी तरह सिंचाई किए हुए) का उतने ही अच्छे स्तर की भारत गेहूँ की किस्म (रोग की प्रतिरोधक क्षमता एवं अच्छी गुणवत्ता वाला अनाज) से आधुनिक तकनीक द्वारा संकरण किया गया तब एक उच्च उत्पादकता वाले और बीमारी से लड़ने में सक्षम गेहूँ की किस्म की उत्पत्ति हुई।

कुछ मुख्य 'क्रांतिकारी' किस्मों

के नाम हैं- 'कल्याण सोना', 'सोनालिका', और 'शर्बती सोनोरा' इत्यादि।

भारत में उच्च उत्पादन की किस्मों के प्रयोग का आरम्भ कृषि के क्षेत्र में विकसित देशों के मुकाबले, हमारी औसत राष्ट्रीय उत्पादकता की दर केवल 800 किलो प्रति हेक्टेयर के स्तर की ही थी, जो कि विकसित देशों की तुलना में बहुत कम थी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्राक्तन डायरेक्टर जनरल एम एस स्वामीनाथन ने पौधों की उत्पादकता के ठहराव व पौधों के उत्पादन की अस्थिरता का गहरा विश्लेषण किया तथा उन कारणों की तह तक पहुँचने की कोशिश की, जिनके कारणवश यह स्थिति विद्यमान थी। उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि उस समय प्रयोग में आने वाली लम्बी किस्मों की शारीरिक बनावट ही अधिक उत्पादन के मार्ग में एक बाधा सिद्ध हो रही थी। उन्होंने उक्त पौधों की किस्मों की उत्पत्ति की प्रक्रिया की ही जननिक कार्यशैलियों के पुन:निर्देशन पर जोर दिया।

सन 1970-80 के दशक के दौरान, गेहूँ की जननिक प्रक्रियाओं के माध्यम से नए

किस्म के बीजों वाले, उच्च उत्पादकता के छोटे आकार के गेहूँ की किस्मों का विकास किया गया। इसी दौरान कुछ महत्त्वपूर्ण किस्में, 'कल्याण सोना', 'शर्बती सोनारा', 'सोनालिका' जैसी ऊँची उत्पादकता की किस्मों का विकास हुआ जिन्होंने खादों और सिंचाई की ओर अच्छा रुख अपनाया। भारतीय जननिक वैज्ञानिकों के अनुरोध पर, सन 1963 में भारत सरकार ने मैक्सिको देश से प्रोफेसर नॉर्मन-ई-बोरलौग को आमंत्रित किया ताकि पौधों की बौनी (कम आकार) किस्मों के उत्पादन की संभावनाओं का वे भारत वर्ष में मूल्यांकन करें। भारत के कई क्षेत्रों का दौरा करने के पश्चात, उन्होंने भारत में मैक्सिकी उद्भव के ही छोटे आकार के गेहूँ की किस्मों को बोने का प्रस्ताव रखा। वे इस निष्कर्ष पर इस कारणवश पहुँचे क्योंकि मैक्सिको का मौसम व भूमि दोनों तुलनात्मक रूप से एक समान थीं। उनके सुझाव पर, लेरमा-राजो व सोनोरा-64 नामक दो किस्मों का चयन किया गया और उन्हें हमारे सींचे गए खेतों में बोने के लिये प्रयुक्त किया गया। इन किस्मों के प्रयोग से गेहूँ की उत्पादकता कई गुना बढ़ गयी और हमारे गेहूँ के निर्यात में क्रांति आ गई।

डॉ. बोरलॉग, मैक्सिको सरकार तथा रॉकफेलर फाउंडेशन की सहकारी योजना के अन्तर्गत गेहूँ अनुसंधान व विकास कार्यक्रम के मुखिया के रूप में जुड़े। सन 1966 में उनकी गेहूँ के विकास की गुपचुप क्रांति ने संसार भर का ध्यान आकर्षित किया तथा मैक्सिको में ही अन्तरराष्ट्रीय गेहूँ व मक्के के विकास किया गया। सन 1970 में उन्हें 'हरित क्रांति' लाने के लिये नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी हरित क्रांति ने भारत की इतनी मदद की थी। डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन एक बेहतरीन उत्परिवर्तन जननिक वैज्ञानिक रहे हैं। इन्होंने सन 1967 में उगाने के लिये 'शर्बती सोनारा' नामक किस्म को निर्मित किया। उत्परिवर्तन जनन के कार्यक्रम में सोनारा 64 को अल्ट्रावायलेट किरणों से पारित करके उन्होंने इस 'किस्म' का निर्माण किया। उर्वरक वे पदार्थ हैं जिन्हें पौधों के स्वस्थ विकास के लिये मृदा में मिलाया जाता है। ये उर्वरक मृदा के खोए हुए पोषक तत्वों को पुन:स्थापित कर देते हैं। कृषक आमतौर से कार्बनिक खादें जो पौधों और पशुओं के अपशिष्ट पदार्थों इत्यादि से बनाई हुई प्राकृतिक खाद है तथा रासायनिक खाद, दोनों का प्रयोग करते हैं। खादों को भूमि में मुख्यत: इसलिये डाला जाता है ताकि पेड़-पौधों की जड़ें उन्हें सोख लें। इन्हें छिड़काव के रूप में भी प्रयोग किया जा सकता है।

▶▶ रासायनिक खादें, मुख्यत: निम्नलिखित प्रकार की हैं

नाइट्रोजन-युक्त खाद: ऐसे उर्वरक जिनमें नाइट्रोजन पायी जाती है।उदाहरण: अमोनियम सल्फेट, अमोनियम नाइट्रेट तथा यूरिया।

फॉस्फेट युक्त खाद: ऐसे उर्वरक जिनमें फॉसफेट पायी जाती है, उदाहरण:

अमोनियम फॉस्फेट, कैल्शियम डाइहाइड्रोजन फॉस्फेट (सुपरफॉस्फेट)

पोटेशियम युक्त खाद ऐसे उर्वरक जिनमें पोटेशियम पाया जाता है।

उदाहरण: पोटेशियम सल्फेट व पोटेशियम नाइट्रेट।

नाइट्रोजनयुक्त खादें पौधों को विकसित करने में सहायक हैं तथा खाद्य

उत्पादन में अनिवार्य है। परन्तु इनका प्रयोग बुद्धिमत्ता से होना चाहिए।

पौधों द्वारा अकुशल अवशोषण व गैर-जिम्मेदारी से उर्वरक का प्रयोग पर्यावरण के प्रदूषण के मुख्य कारण हैं। बिना प्रयोग में लाए गए उर्वरक तब नदियों, तालाबों के सतही जल व भूमि के नीचे के जल में प्रवेश करते हैं। उर्वरक का प्रयोग जब बिना सोचे समझे किया जाता है, तब वे न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं बल्कि खर्च किया हुआ पैसा भी नष्ट होता है।

▶▶कीटाणुनाशक/पीड़क नाशक

कीटाणुनाशक वे रासायनिक पदार्थ हैं जिनका उन जीवों को मारने व नियंत्रित करने के लिये विकास किया गया है जो कृषि के लिये हानिकारक सिद्ध होते हैं।

आधुनिक कीटाणुनाशक (Pesticides) खाद्यान्नों की आपूर्ति में वृद्धि करते हैं, कृषकों के मुनाफे की वृद्धि करते हैं और सही प्रयोग करने पर सुरक्षा भी प्रदान करते हैं। कीटाणुनाशक न केवल अधिकतर कीटाणुओं का जल्द ही नियंत्रण कर लेते हैं, बल्कि लम्बे समय तक प्रयोग-योग्य रहते हैं। इसके अतिरिक्त इनका यातायात और लागूकरण सरल है। यदि पौधों की ओर से जननिक विरोध होता है, तब कृषक या तो इन दवाओं को अधिक खुराक में प्रयुक्त कर सकते हैं, अथवा अन्य कीटनाशकों का प्रयोग कर सकते हैं। नियंत्रित रूप से प्रयोग की स्थिति में, ये कीटनाशक कृषक, श्रमिक या उपभोक्ताओं के लिये किसी भी तरह से हानिकारक नहीं है। अधिक गुणवत्ता के बीजों के प्रयोग की आवश्यकता सीमित भूमि क्षेत्र में अधिक उत्पादन के लिये उत्तम स्तर के बीजों का प्रयोग अतिआवश्यक हैं। जननिक विज्ञान के माध्यम से बीजों की गुणवत्ता में विकास अब एक आम बात हो गई है। जैविक तकनीक के ज्ञान के उपयोग से, अब बेहतर स्तर के बीजों का उत्पादन हो रहा है। बीजों की गुणवत्ता का विकास निम्नलिखित निर्माण के लिये हो रहा है